mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-02 अंक-220 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़
10 अगस्त 2026 सोमवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

मथुरा में छह दिसंबर को होगी कारसेवा

साधु-संतों का एलान:'कृष्णा लला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे'

आश्रम में पहुंच गए थे पत्थर

श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर निर्माण के इरादे से मंगाए गए गुलाबी पत्थरों की पहली खेप शुक्रवार की देर रात पहुंच गई थी। ये पत्थर भरतपुर स्थित बंसीपहाड़पुर से मंगाए गए हैं। इन्हीं पत्थरों से अयोध्या में श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण किया गया है। चित्रगुप्त पीठाधीश्वर स्वामी सच्चिदानंद महाराज ने ये पत्थर मंगवाए हैं। उन्होंने कहा था कि 9 अगस्त को आश्रम से विधिवत कारसेवा की घोषणा होगी।

मथुरा,एजेंसी। मथुरा के राधाकुंड क्षेत्र के जुल्हेंदी स्थित चित्रगुप्त पीठ में रविवार को सुबह से ही पुलिस प्रशासन की नजर टिकी रही। कारसेवा को लेकर सुबह पीठ में हवन पूजन हुआ। हवन पूजन के बाद साधु संतों ने बैठक की। जिसमें छह दिसंबर को श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर कार सेवा की घोषणा की गई। इस दौरान चित्रगुप्त पीठ के बाहर बड़ी संख्या में पुलिस तैनात रही।

राधाकुंड स्थित चित्रगुप्त पीठ में हवन यज्ञ के बाद 'कृष्णा लला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे' नारे के साथ साधु संतों ने कारसेवा का शंखनाद किया। साधु संतों ने छह दिसंबर को श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर कार सेवा की घोषणा की है। स्वामी सच्चिदानंद महाराज ने कहा कि नौ अगस्त को श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर कार सेवा का एलान किया था लेकिन सावन मास में कावड़ यात्रा के चलते कारसेवा स्थगित करनी पड़ी। शंखनाद के दौरान बड़ी संख्या में साधु संत पहुंचे और उन्होंने अपना समर्थन दिया। गौरलतब है कि छह दिसंबर को ही अयोध्या में कारसेवकों ने विवादित ढांचे को गिराया था।

बारामती एयरफील्ड पर ट्रेनर प्लेन रनवे से उतरा 2 लोग सवार थे, कोई घायल नहीं

पुणे,एजेंसी। महाराष्ट्र के बारामती एयरफील्ड पर ट्रेनिंग एक्सरसाइज के दौरान एक ट्रेनर प्लेन रनवे से फिसल गया। पुणे के एसपी के मुताबिक, प्लेन में कैप्टन चिराग शशिकांत डोइफोडे और कैडेट अभिजीत जूंद्रे सवार थे। दोनों सुरक्षित हैं और किसी के घायल होने की खबर नहीं है।घटना के तुरंत बाद प्लेन के क्रैश होने की खबरें आई थीं। हालांकि, डिप्टी ष्टरू और बारामती विधायक सुनेत्रा पवार ने क्रैश की खबरों को खारिज किया। उन्होंने बताया कि प्लेन रनवे पर ही था और टर्न लेते समय एक पहिया किनारे पर फंस गया।

एच-1बी वीजा वालों की नौकरी गई तो अमेरिका छोड़ना पड़ेगा

नई नौकरी तलाशने की 60 दिन की मोहलत खत्म करने की तैयारी, 5 लाख भारतीयों पर असर

वाशिंगटन,एजेंसी। अमेरिका में एच-1बी वीजा पर काम कर रहे विदेशी कर्मचारियों की मुश्किल बढ़ सकती है।

अमेरिकी सरकार नौकरी जाने के बाद नई नौकरी तलाशने के लिए मिलने वाली 60 दिन की मोहलत खत्म करने पर विचार कर रही है। अगर यह बदलाव लागू होता है तो नौकरी जाने के बाद अमेरिका में रुकना मुश्किल हो सकता है।

यह प्रस्ताव फिलहाल व्हाइट हाउस के ऑफिस ऑफ मैनेजमेंट एंड बजट (OMB) को भेजा गया है। अभी यह नियम नहीं बना है। दिए गए आंकड़ों के मुताबिक, अमेरिका में एच-1बी वीजा पर काम कर रहे करीब 5 लाख भारतीयों पर इसका असर पड़ सकता है।

जयशंकर ने भी उठाया था मुद्दा विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इसी साल मई में यह मामला अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो के सामने उठाया था। रूबियो ने माना था कि नए इमिग्रेशन सिस्टम में बदलाव के दौरान कुछ दिक्कतें और तनाव हो सकते हैं। हालांकि, रूबियो ने कहा था कि अमेरिका इमिग्रेशन सिस्टम को ज्यादा प्रभावी बनाने की कोशिश कर रहा है और लंबे समय में इसका फायदा सभी पक्षों को मिलेगा। रूबियो ने यह भी कहा था कि यह कदम खासतौर पर भारत को निशाना बनाकर नहीं उठाया गया।उनके मुताबिक अमेरिका पिछले कुछ सालों में बड़े पैमाने पर अवैध प्रवासियों की समस्या से जूझ रहा है। 2 करोड़ से ज्यादा लोग गैरकानूनी तरीके से अमेरिका में दाखिल हुए और उसी चुनौती से निपटने के लिए यह बदलाव किए जा रहे हैं।

अमेरिका में 7 साल रहने वाले प्रवासियों को ग्रीन कार्ड मिलेगा: अमेरिका में रह रहे भारतीय एच-1बी वीजा धारकों समेत लाखों लोगों के लिए ग्रीन कार्ड पाने का नया मौका मिल सकता है।

नौकरी गई तो तुरंत अमेरिका नहीं छोड़ना पड़ता

अगर किसी एच-1बी कर्मचारी की नौकरी चली जाती है, तो उसे उसी समय अमेरिका छोड़ने की जरूरत नहीं होती। मौजूदा नियमों के मुताबिक, उसे अधिकतम 60 दिन का समय मिल सकता है। इस दौरान वह नई नौकरी खोज सकता है या अमेरिका में अपना स्टेटस बनाए रखने के लिए जरूरी कदम उठा सकता है।

60 दिन में नई नौकरी मिल गई तो?

इस दौरान कर्मचारी दूसरी कंपनी में नौकरी खोज सकता है। नई कंपनी उसके लिए ||-1क्चकी अर्जी लगा सकती है। नियमों के तहत, कुछ मामलों में कर्मचारी अर्जी मंजूर होने का इंतजार किए बिना नई कंपनी में काम शुरू कर सकता है।

: ब्रीफ बॉक्स :

एअर इंडिया विमान टर्बुलेंस:फुकेट-दिल्ली फ्लाइट पायलट का डोप टेस्ट पॉजिटिव होने की खबर

नई दिल्ली,एजेंसी। थाईलैंड के फुकेट से दिल्ली आ रही एअर इंडिया की फ्लाइट के दो पायलटों में से एक का डोप टेस्ट फेल होने का दावा किया जा रहा है। यह फ्लाइट 4 अगस्त को तेज टर्बुलेंस में फंस गई थी और अचानक करीब 300 फीट नीचे आ गई थी।इंडिया टुडे ने सूत्रों के हवाले से बताया कि घटना के बाद दोनों पायलटों का पोस्ट-फ्लाइट ड्रग स्क्रीनिंग टेस्ट कराया गया था। इनमें से एक पायलट की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। सूत्रों के मुताबिक, जांच पूरी होने तक दोनों पायलटों को ड्यूटी से हटा दिया गया है।फ्लाइट में 137 यात्री और 8 क्रू मेंबर सवार थे। हवा में टर्बुलेंस के दौरान विमान अचानक करीब 300 फीट नीचे आ गया था, जिससे 17 लोग घायल हुए थे। नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू ने बताया था कि टर्बुलेंस करीब 5 मिनट तक रहा।

एअर इंडिया ने कहा- हमें टेस्ट का रिपोर्ट नहीं मिला

एअर इंडिया ने अपने पायलट के डोप टेस्ट फेल होने की खबर की पुष्टि या खंडन नहीं किया है। एयरलाइन ने कहा कि फ्लाइट के बाद तय प्रोटोकॉल के तहत पायलटों का ड्रग स्क्रीनिंग टेस्ट कराया गया था, लेकिन टेस्ट के रिपोर्ट अभी एअर इंडिया के साथ शेयर नहीं किए गए हैं।

नेपाल पीएम बालेन आज भारतीय राजदूत से मिलेंगे

बाद में चीन के दूत से बात होगी

काठमांडू,एजेंसी। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह सोमवार को सबसे पहले भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव से मुलाकात करेंगे। इसके बाद वे चीन के राजदूत झांग माओमिंग से बातचीत करेंगे। मंगलवार को शाह अमेरिकी दूतावास के प्रभारी अधिकारी स्कॉट अर्बोम से वन-टू-वन बैठक करेंगे।

काठमांडू पोस्ट के मुताबिक, प्रधानमंत्री बनने के बाद यह पहली बार होगा, जब शाह किसी विदेशी राजदूत से अकेले में मिलेंगे। इससे पहले वे विदेशी राजदूतों के साथ सामूहिक बैठकों को प्राथमिकता देते रहे थे।

इन बैठकों में नेपाल के भारत, चीन और अमेरिका के साथ रिश्तों और मौजूदा मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है।

दो हफ्ते पहले होनी थी मुलाकात, हिंसा के बाद टली

शाह की इन राजनयिकों से मुलाकात करीब दो हफ्ते पहले तय थी, लेकिन सुनसरी और दूसरे जिलों में हुई सांप्रदायिक हिंसा के बाद इसे टाल दिया गया था।

अब सरकार ने दोबारा बैठकें तय की हैं। प्रधानमंत्री के एक सलाहकार के मुताबिक, संबंधित दूतावासों को मुलाकात का समय बता दिया गया है।

तेज रफ्तार कार ने 4 कांवड़ियों को कुचला

गंगोत्री से गंगाजल लेकर लौट रहे थे फरीदकोट

फरीदकोट,एजेंसी। फतेहगढ़ साहिब में तेज रफ्तार कार ने 4 कांवड़ियों को कुचल दिया, जिससे तीन की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चौथे की हालत गंभीर बनी हुई है। ये सभी शिवरात्रि के लिए गंगोत्री से गंगाजल की डाक कांवड़ लेकर फरीदकोट लौट रहे थे।

हादसा इतना खतरनाक था कि तीनों युवकों की लाशें सड़क पर दूर-दूर बिखर गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है।

हादसा सरहिंद-मंडी गोबिंदगढ़ के बीच हाईवे पर हुआ। सभी मृतक कोटकपूरा के रहने वाले हैं। इसमें डॉक्टर हरपाल गली निवासी जगदीश मित्तल (40), हरीनौ रोड निवासी महेंद्र पाल (43) और सुरगापुरी निवासी दीपक कुमार(42) शामिल हैं। जबकि गंभीर घायल कोटकपूरा के सरकारी गर्ल स्कूल के पास रहने वाले मुकेश गोयल को अस्पताल भर्ती करवाया गया है।

मृतकों में दो बिजली मैकेनिक शामिल: मृतक महिंदर पाल बिजली मैकेनिक था और उसके घर में पिता, पत्नी व एक 15 साल की बेटी है, जबकि मृतक जगदीश मित्तल अविवाहित था और बिजली मैकेनिक का कार्य करता है। वह परिवार में बिल्कुल अकेला था और उसके माता-पिता की भी मौत हो चुकी है।

2 कांवड़ संघों के साथ गए थे गंगोत्री: यह कांवड़िए कोटकपूरा से दो अलग-अलग कांवड़ संघों के साथ गंगोत्री से डाक कांवड़ लाने के लिए रवाना हुए थे। 30 जुलाई को वे गंगोत्री के लिए रवाना हुए थे और 10 अगस्त, सोमवार को कांवड़ लेकर कोटकपूरा वापस लौटना था।कोटकपूरा के प्राचीन डेरा दूधाधारी से शिव त्रिलोकी नाथ कांवड़ संघ तथा श्री रामबाग मंदिर से न्यू शिव कांवड़ संघ के जत्थे गंगोत्री से डाक कांवड़ लाने के लिए रवाना हुए थे।

ट्रॉले ने वैन को टक्कर मारी, 6 श्रद्धालुओं की मौत

महाकाल दर्शन कर गुजरात लौट रहे थे; रॉन्ग साइड से आ रहा था ट्रॉला

बदनावर (धार),एजेंसी। धार जिले के बदनावर में एक ट्रॉले ने रॉन्ग साइड से एक वैन को ऐसी टक्कर मारी कि वह पिचक गई। वैन में सवार वड़ोदरा (गुजरात) के छह श्रद्धालुओं की मौके पर मौत हो गई।दो शवों को ग्राइंडर मशीन से कार काटकर काटकर निकाला गया। सभी महाकाल के दर्शन कर उज्जैन से वड़ोदरा लौट रहे थे।हादसा रविवार दोपहर करीब 1 बजे पंचकवास गांव के पास उज्जैन फोरलेन पर हुआ। हादसे की सूचना मिलते ही बदनावर टीआई अमित सिंह कुशवाह और तहसीलदार सुरेश नागर पहुंचे। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से वैन में फंसे शवों को बाहर निकाला गया।

फोरलेन पर कुछ देर के लिए ट्रैफिक प्रभावित: हादसे के बाद फोरलेन पर कुछ देर के लिए यातायात प्रभावित हुआ, जिसे पुलिस ने सुचारु कराया। पुलिस ने मृतकों के परिजन को गुजरात में सूचना दे दी है। शवों का पंचनामा बनाकर उन्हें बदनावर सिविल अस्पताल के शवगृह में रखवाया गया है, जहां उनका पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा।

रॉन्ग साइड से उज्जैन की ओर जा रहा था ट्रॉला: ग्रामीणों के मुताबिक, वैन में 6 लोग सवार थे। ट्रॉला नंबर (त्वछ्व 39 छ्क्र 9248) बदनावर-उज्जैन फोरलेन पर रॉन्ग साइड से उज्जैन की ओर जा रहा था। ट्रॉले में लोहे का सामान भरा था। वहीं मारुति ईको वैन (त्वछ्व 17 छ्य 6134) उज्जैन से गुजरात की ओर जा रही थी। हादसे के बाद ट्रॉले का ड्राइवर भाग गया। पुलिस ने वैन का विंडो कांच तोड़कर शवों को बाहर निकाला।

राजस्थान के जयपुर सहित कई शहरों में कॉलोनियां-सड़कें डूबीं

म.प्र. में पुल के ऊपर बह रही नर्मदा; दिल्ली में 8 दिन में महीनेभर की बारिश हुई

नई दिल्ली,एजेंसी। देश के कई राज्यों में मूसलाधार बारिश जारी है। राजस्थान के जयपुर में रविवार सुबह 6 से 9 बजे तक लगातार बारिश हुई, जिससे निचले इलाकों में सड़कों पर 3-4 फीट तक पानी भर गया। घरों में भी पानी घुस गया। वहीं, चूरू में भी कॉलोनियां डूब गई।

मध्य प्रदेश के डिंडौरी में शनिवार रात 9 बजे से रविवार सुबह 6 बजे तक 6 इंच बारिश हुई। पानी नर्मदा नदी पर बने पुल के ऊपर से बह रहा है।

दिल्ली में पिछले 8 दिनों के दौरान महीने भर की बारिश हो गई। दिल्ली में अगस्त के शुरुआती 8 दिनों में 230.1 मिमी बारिश हो चुकी है, जो महीने की सामान्य औसत बारिश 226.8 मिमी से ज्यादा है।

अगस्त में 2024 के बाद यह सबसे ज्यादा बारिश है। शनिवार को कालिंदी कुंज बॉर्डर, ITO, प्रेस एन्क्लेव मार्ग सहित कई सड़कों पर ट्रैफिक जाम रहा।

जम्मू-कश्मीर: 11 अगस्त तक भारी बारिश की चेतावनी

जम्मू-कश्मीर में आने वाले दिनों में कई इलाकों में बारिश और गरज-चमक की संभावना है। मौसम विभाग ने जम्मू संभाग के कुछ जिलों में 9 से 11 अगस्त के बीच भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी दी है।

विभाग ने कहा है कि तेज बारिश से संवेदनशील इलाकों में फ्लैश फ्लड और लैंडस्लाइड का खतरा बढ़ सकता है। निचले इलाकों में जलभराव की भी आशंका है। खराब मौसम और आने वाले दिनों में भारी बारिश के अनुमान के चलते अमरनाथ यात्रा को शनिवार को जम्मू से रोक दिया गया।राजौरी में 17 साल की लड़की की मौत हो गई। उसे अस्पताल ले जा रहा वाहन बारिश के कारण हुए मलबे में फंस गया था और कई घंटे तक रास्ता साफ नहीं हो सका।

पंजाब में बीएसएफ की फायरिंग में संदिग्ध घुसपैठिया ढेर

अमृतसर,एजेंसी। भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर अमृतसर के दाउके गांव में शनिवार को बीएसएफ ने एक संदिग्ध घुसपैठिए को गोली मारकर ढेर कर दिया। यह कार्रवाई थाना घरिंडा के अधीन कंटीली तार के पास की गई। बताया जा रहा है कि बीएसएफ के जवान इलाके में नियमित गश्त कर रहे थे। इसी दौरान जवानों को कंटीली तार के पास झाड़ियों में कुछ हलचल दिखाई दी। मृतक के पास से तंबाकू का पैकेट मिला है।जवानों ने तुरंत सतर्कता बरतते हुए संदिग्ध व्यक्ति को झाड़ियों से बाहर आने के लिए कहा। कुछ देर बाद वह व्यक्ति बाहर आया और कंटीली तार को पार करने की कोशिश करने लगा। बीएसएफ जवानों ने उसे रुकने की चेतावनी दी और आगे न बढ़ने को कहा।

गोली लगने से घुसपैठिए की मौके पर ही मौत : स्थिति को देखते हुए बीएसएफ जवानों ने कार्रवाई करते हुए फायरिंग की। गोली लगने से घुसपैठिए की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के तुरंत बाद इसकी जानकारी थाना घरिंडा पुलिस को दी गई। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी।पुलिस के मुताबिक, मृतक के कब्जे से ऐसा कोई दस्तावेज बरामद नहीं हुआ है, जिससे उसकी पहचान हो सके। फिलहाल उसकी पहचान अज्ञात है। थाना घरिंडा पुलिस ने बीएसएफ की शिकायत के आधार पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

बीएसएफ जवानों ने सर्च ऑपरेशन चलाया : पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। सीमा पर हुई इस घटना के बाद बीएसएफ जवान आसपास के क्षेत्र में भी सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सीमा के पास कोई अन्य संदिग्ध गतिविधि तो नहीं हुई। मामले की जांच जारी है और मृतक की पहचान होने के बाद ही घुसपैठ के पूरे मामले से जुड़ी और जानकारी सामने आने की उम्मीद है।

जेन-जी आंदोलन के बाद पार्टियां रणनीति बदल रहीं

2027 में 7 राज्यों में चुनाव, 22% वोटर जेन-जी; 5% इधर-उधर हुए तो सरकारें बदल सकती हैं

नई दिल्ली,एजेंसी। अगले साल 7 राज्यों- उत्तर प्रदेश, गुजरात, पंजाब, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, मणिपुर और गोवा में विधानसभा चुनाव होने हैं। इन चुनावों में जेन-जी यानी 18 से 29 साल के मतदाता अहम भूमिका निभा सकते हैं।

इसके पीछे दो बड़ी वजहें हैं। पहली, जुलाई में दिल्ली में हुआ जेन-जी आंदोलन, जिसने युवाओं के राजनीतिक रुझान को लेकर नई बहस छेड़ी। दूसरी, बिहार के बांकीपुर और मध्य प्रदेश के दतिया उपचुनाव के चौंकाने वाले नतीजे, जिनसे युवाओं की चुनावी भूमिका पर चर्चा तेज हुई है।राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, चुनावी समीकरण में महिला, पिछड़ा, किसान और दलित जैसे वर्गों के साथ अब जेन-जी भी एक अहम वोटर ग्रुप बनता जा रहा है। इन 7 चुनावी राज्यों में करीब 22% मतदाता 18 से 29 साल की उम्र के हैं। ऐसे में युवा वोट किसी भी पार्टी के चुनावी समीकरण को बदल सकता है।

7 राज्यों के पिछले चुनाव में 257 सीटों पर 5% वोट मार्जिन रहा: चुनाव वाले 7 राज्यों में अगर पिछले विधानसभा चुनाव के आंकड़े देखें तो कुल 940 सीटों में 257 सीटें (27%) ऐसी थीं, जहां जीत का अंतर 5% या उससे कम था।उत्तर प्रदेश की 403 में से 131 सीटें ऐसी थीं, जहां जीत का मार्जिन 5% से कम था। गुजरात की 182 में से 27, पंजाब की 117 में से 24, उत्तराखंड की 70 में से 15 और हिमाचल की 68 में से 14 सीटों पर भी वोट मार्जिन 5% से कम था।इस आधार पर कह सकते हैं कि अगर 22% जेन-जी वोटर्स में से 5% भी एकजुट होकर किसी पार्टी के पाले में चले गए तो इन राज्यों में सियासी समीकरण पूरी तरह बदल सकते हैं।

यही वजह है कि राजनीतिक दल अब अपनी पूरी रण?नीति जेन-जी वोटर्स के इर्द-गिर्द बुनने में लग गए हैं। भाजपा, कांग्रेस और सपा ने इसकी मुहिम शुरू कर दी है।

जाति-धर्म के समीकरण बिगाड़ सकते हैं युवाओं का नया वर्ग:

देश की सियासत में लंबे समय से चले आ रहे जाति और धर्म आधारित चुनावी समीकरणों को युवा वोटर चुनौती दे सकते हैं। इसकी वजह युवाओं का एक नया और मुखर वर्ग बनकर उभरना है।

अगले चुनावों में अभी 6-7 महीने का वक्त है। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि तब तक यह युवा सेंटिमेंट कितना मजबूत रहता है। अगर यह बरकरार रहा या और बढ़ा, तो राजनीतिक दलों को आने वाले हफ्तों में अपनी रणनीति में पांच बड़े बदलाव करने पड़ सकते हैं।

100 साल पुरानी हवेली में मिले खजाने का खुला राज, 66 किलो चांदी बरामद

जयपुर, एजेंसी। जयपुर पुलिस ने करीब 10 माह पुराने एक बड़े खजाना चोरी मामले का खुलासा करते हुए पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया है। उनके पास करीब पौने दो करोड़ रुपये कीमत की 66 किलो 400 ग्राम चांदी बरामद की गई। पुलिस जांच में सामने आया है कि त्रिपोलिया बाजार में करीब 100 वर्ष पुरानी एक हवेली को तोड़ने के दौरान ठेकेदार और चार श्रमिकों को दीवार में एक तिजोरी मिली थी, जिसमें चांदी की बड़ी सिल्लियां और बड़ी संख्या में कीमती आभूषण थे। उन्होंने इस खजाने को आपस में बांट लिया। बाद में हवेली के मालिक राहुल सेठी को एक व्यक्ति ने पुरानी तिजोरी में खजाना मिलने और ठेकेदार व श्रमिकों के आपस में बांटने के बारे में बताया। इस पर उन्होंने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज करवाई। पुलिस ने जांच के बाद ठेकेदार और श्रमिकों से कड़ाई से पूछताछ की तो उन्होंने हवेली तोड़ने के दौरान जंग लगी पुरानी तिजोरी में चांदी की कई सिल्लियां, सिक्कों सहित अन्य आभूषण मिलने की बात स्वीकार कर ली। पुलिस उपायुक्त करण शर्मा ने बताया कि राहुल ने करीब 10 माह पहले जर्जर पुश्तैनी हवेली गिराकर नया निर्माण करने के लिए महेश मल्होत्रा को ठेका दिया था। हवेली तोड़ते समय करीब नौ माह पहले ठेकेदार और श्रमिकों को खजाना मिला था, जिसके बारे में राहुल को पिछले माह जानकारी मिली तो उन्होंने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज करवाई। राहुल का दावा था कि करीब 45 किलो की 10 से 15 चांदी की सिल्लियां, करीब 15 सोने के सिक्के और आठ से 10 हजार चांदी के सिक्के ठेकेदार और श्रमिकों को पुरानी तिजोरी में मिले हैं। पुलिस ने लंबी जांच और कड़ाई से पूछताछ के बाद शनिवार देर शाम ठेकेदार महेश और श्रमिकों जगदीश, रजत, अनुज और पप्पू को गिरफ्तार कर लिया। गड्ढा खोदकर दबाया खजाना पुलिस उपायुक्त ने बताया कि खजाना मिलने के बाद ठेकेदार महेश ने एक जेसीबी मशीन, कुछ ट्रैक्टर और अन्य मशीनरी खरीद ली। पुलिस थाना अधिकारी राकेश ख्यालिया ने बताया कि आरोपितों ने कुछ चांदी और आभूषण तो बेच दिए, लेकिन 66 किलो चांदी जामदोली के जंगल में गड्ढा खोदकर दबा दी। आरोपित इस खजाने को बाद में निकाल कर बेचना चाहते थे।

धार्मिक बुजुर्ग महिला की हादसे में मौत, पशु-पक्षियों को खाना खिलाना थी रोज की दिनचर्या

नईदिल्ली, एजेंसी। उर्मिला धार्मिक प्रवृत्ति की बुजुर्ग महिला थीं और पशु-पक्षियों से उनका गहरा लगाव था। स्वजनों के मुताबिक, जानवरों की देखभाल उनकी रोजमर्रा की जिंदगी का अभिन्न हिस्सा बन चुकी थी। वह गाय, कुत्तों और पक्षियों को खाना खिलाने के साथ ही चींटियों जैसे छोटे जीवों के लिए भी आटा , चीनी या अन्य भोजन रखती थीं। उनके एक स्वजन ने बताया कि शायद ही कोई ऐसा दिन होता था, जब वह सुबह घर से निकलकर पशु-पक्षियों को खाना खिलाने नहीं जाती थीं। उनकी दिनचर्या मंदिर जाने से शुरू होती थी। मंदिर में पूजा के बाद वह आसपास के इलाके में घूमकर गायों और कुत्तों को खाना खिलातीं और पक्षियों के लिए दाना डालती थीं। बाद में धीरे-धीरे यह उनकी जिंदगी का ऐसा हिस्सा बन गया था, जिसे वह शायद ही कभी छोड़ती थीं। पोते देवेश कुमार का कहना है कि मेरी दादी धार्मिक थीं। वह रोज सुबह मंदिर जाती थीं और इसके बाद पशु-पक्षियों को खाना खिलाती थीं। वह गाय, कुत्ते, पक्षी और यहां तक कि चींटियों को भी खाना देती थीं लेकिन हादसे ने उनके घर की खुशियां छीन ली। शनिवार को भी दादी अपनी इसी रोज की दिनचर्या के तहत घर से निकली थीं। लेकिन हादसे ने उनकी जिंदगी छीन ली। परिवार अचानक हुई मौत से सदमे में है और उनके घर मातम पसरा है। उन्होंने बताया कि काम की व्यस्तता के कारण वह पिछले दो दिन से दादी से बात नहीं कर पाए थे। अब यही बात उन्हें सबसे ज्यादा कचोट रही है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि उन दो दिनों में उनसे बात न कर पाने का अफसोस मुझे जिंदगी भर रहेगा।

अंतरिक्ष का कचरा बनेगा करोड़ों का कारोबार मलबा हटाएंगी कंपनियां उपग्रहों की मरम्मत भी होगी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अंतरिक्ष के हजारों निष्क्रिय उपग्रह, इस्तेमाल हो चुके रॉकेटों के हिस्से और टकराव से पैदा हुए मलबे के टुकड़े भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों के लिए खतरा बन रहे हैं और इसी खतरे में निजी कंपनियां नए कारोबारी अवसर तलाश रही हैं। ऑर्बिट रडार के अनुसार अंतरिक्ष में करीब 30 हजार वस्तुओं को ट्रैक किया जा रहा है। इनमें लगभग 18,500 सक्रिय उपग्रह हैं, जबकि बाकी मलबा या इस्तेमाल हो चुके रॉकेट के हिस्से हैं। पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थिति तेजी से बदल रही है। यहां हजारों उपग्रहों के साथ दशकों की अंतरिक्ष गतिविधियों से पैदा हुआ मलबा भी मौजूद है। यही संकट अब अंतरिक्ष में एक नए सेवा उद्योग की नींव रख रहा है। जापान की कंपनी एस्ट्रोस्केल ऐसे अंतरिक्ष यान विकसित कर रही है, जो कक्षा में जाकर निष्क्रिय वस्तुओं को पकड़ सकें और उन्हें हटाने में मदद करें। कंपनी ने कक्षा में दूसरे अंतरिक्ष यान से जुड़ने की क्षमता का प्रदर्शन भी किया है।

क्या सख्ती से बदली दिल्ली की ट्रैफिक तस्वीर गलत दिशा में ड्राइविंग पर 3.51 लाख चालान और 2,321 एफआईआर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की ट्रैफिक स्थिति को लेकर उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने ट्रैफिक पुलिस के आला अधिकारियों के साथ पहले दिए गए निर्देशों के लागू होने की स्थिति और नियमों को लागू करने के मुख्य नतीजों की समीक्षा की। समीक्षा बैठक में एक बार फिर से उपराज्यपाल ने ट्रैफिक को लेकर अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये। बैठक में जलभराव को लेकर भी निर्देश दिये गए। ट्रैफिक नियमों को लागू करने के अपने कड़े रुख को दोहराते हुए उपराज्यपाल ने जोर दिया कि सड़कों पर पुलिस की मौजूदगी ट्रैफिक जाम और अव्यवस्थित आवागमन को रोकने का मुख्य उपाय है।

इसके अलावा बैठक में कांवड़ यात्रा और स्वतंत्रता दिवस को लेकर भी विशेष ट्रैफिक तैनाती और अलग-अलग एजेंसियों के बीच तालमेल की व्यवस्थाओं की समीक्षा की। अधिकारियों को आगाह करते हुए, उन्होंने कहा कि ट्रैफिक का सुचारू रूप से चलना किसी भी अन्य नागरिक मुद्दे की तुलना में आम नागरिक के दैनिक जीवन को अधिक प्रभावित करता है। इसलिए पीक आवर्स के दौरान ज्यादा जाम वाले स्थानों पर अधिक से अधिक शारीरिक रूप से मौजूद रहें। मानसून की वजह से प्रभावित ट्रैफिक से निपटने के लिए पहले दिए गए निर्देशों की समीक्षा करते हुए उन्होंने बताया कि पीडब्ल्यूडी, एमसीडी आदि जैसे संबंधित विभागों द्वारा पहले से किए गए उपायों के कारण, मौजूदा मानसून सीजन (5 अगस्त, 2026 तक) में शहर भर में पानी भरने वाली जगहों की संख्या तेजी से घटकर 65 रह गई है, जबकि 2024 में यह संख्या 194 और 2025 में 169 थी। इसके अलावा, जिन जगहों पर बार-बार पानी भरता था, उनकी संख्या 2024 और 2025 में 53 से घटकर इस साल सिर्फ 20 रह गई है। इसके परिणामस्वरूप ट्रैफिक जाम से जुड़ी काल्स में कमी आई है। जुलाई 2025 में हेल्पलाइन पर 701 काल्स आई थीं, जो इस वर्ष जुलाई में घटकर 572 रह गई, और इसी दौरान इंटरनेट मीडिया पर ट्रैफिक से जुड़ी शिकायतों की संख्या 1,792 से घटकर 1,653 हो गई।

प्रोजेक्ट संगम का दिखने लगा असर

उपराज्यपाल ने बताया कि प्रोजेक्ट संगम के तहत रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन और मार्केट वेलफेयर एसोसिएशन के साथ 553 संयुक्त बैठकें की गई हैं। जाम की समस्या का निवारण करने के लिये लोगों से 510 सुझावों में से 410 पर जमीनी स्तर पर कार्रवाई की, जबकि 100 सुझावों को इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े काम के लिए संबंधित सिविक एजेंसियों को भेजा गया है। ट्रैफिक पाठशाला शुरू करके 710 मुख्य चौराहों पर गलत दिशा में गाड़ी चलाने, रेड लाइट तोड़ने, ट्रिपल राइडिंग और बिना हेलमेट गाड़ी चलाने वाले 17 हजार चार सौ से ज्यादा लोगों को सड़क सुरक्षा के बारे में सलाह दी गई।

सख्ती हुई तो चालान और एफआइआर में हुई बढ़ोतरी

गलत दिशा में गाड़ी चलाने के मामलों में भारी बढ़ोतरी (113 फीसदी) देखी गई। 31 जुलाई 2025 तक 1,64,365 चालान काटे गए थे, जो 31 जुलाई 2026 तक बढ़कर 3,51,523 हो गए। इस वर्ष आठ अप्रैल से 31 जुलाई के बीच गलत दिशा में गाड़ी चलाने के गंभीर मामलों में कुल 2,321 एफआइआर दर्ज की गईं। अनधिकृत पार्किंग के खिलाफ कार्रवाई में भी 28 फीसदी की बढ़ोतरी हुई और कुल 15,36,944 चालान काटे गए। इसके अलावा, स्थानीय और ट्रैफिक पुलिस की संयुक्त पैदल गश्त से सड़कों पर हुए 399 अतिक्रमण हटाए गए और अवैध पार्किंग के 1,915 मामलों में कार्रवाई की गई।

जेन-जी ऐसी ताकत है जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता', इस्तीफे पर धर्मेंद्र प्रधान ने तोड़ी चुप्पी

भुवनेश्वर, एजेंसी। बीजेपी नेता और संबलपुर के सांसद धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को कहा कि नीट पेपर लीक मामले को लेकर हुए विरोध-प्रदर्शनों के दौरान जेन जी को गुमराह करने की कोशिशें की गईं, जिसके कारण उन्हें केंद्रीय शिक्षा मंत्री का पद छोड़ना पड़ा। दिल्ली के जंतर-मंतर पर इस मुद्दे को लेकर हुए जबरदस्त विरोध-प्रदर्शनों के बीच पद छोड़ने के ठीक दो हफ्ते बाद प्रधान ने भुवनेश्वर की जीएम यूनिवर्सिटी में छात्रों और शिक्षकों को संबोधित करते हुए अपने इस्तीफे पर चुप्पी तोड़ी।

मेरे लिए पद महत्वपूर्ण नहीं था: प्रधान ने कहा, 'जेन जी हमारे बच्चे हैं। कुछ लोगों ने उन्हें गुमराह करने की कोशिश की। तब मेरा कोई निजी मसला नहीं था। भारत में हर साल कम से कम दो करोड़ बच्चे पैदा होते हैं। पिछले 10 सालों में 20 करोड़ बच्चे पैदा हुए। उनकी अपनी उम्मीदें हैं और वे भारत को विश्व गुरु बनाएंगे। मेरे लिए पद महत्वपूर्ण नहीं था।' उन्होंने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से संपर्क किया था और केंद्रीय मंत्रिपरिषद से इस्तीफा देने की पेशकश की थी। इसके बाद प्रधान ने 25 जुलाई को मंत्रालय से इस्तीफा दे दिया।

बीजेडी और नवीन पटनायक पर साधा निशाना: रायराखोल में एक और बैठक में प्रधान ने ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री और बीजेडी अध्यक्ष नवीन पटनायक पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बीजेडी कार्यकर्ताओं के विरोध-प्रदर्शन और वापस जाओ के नारों से उन्हें कोई परेशानी नहीं है। एयरपोर्ट के पास बीजेडी के युवा और छात्र विंग के कार्यकर्ताओं के विरोध-प्रदर्शन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, 'मैं एक किसान का बेटा हूं। अगर आप मुझे वापस जाने के लिए भी कहेंगे तो भी मैं वापस आऊंगा।' दरअसल एयरपोर्ट के पास धर्मेंद्र प्रधान वापस जाओ के नारे लगे थे। प्रधान ने बीजेडी अध्यक्ष पर अपने खिलाफ विरोध-प्रदर्शन में युवाओं को शामिल करने का आरोप लगाते हुए कहा, 'नवीन बाबू मुझे ओडिशा के लोगों के लिए शर्म की बात और एक बुरा इंसान भी कहते हैं।

मैंने अपने काम से कभी लोगों को शर्मिंदा नहीं किया

उन्होंने सवाल करते हुए कहा, 'क्या मैंने कभी ऐसा कुछ किया है जिससे ओडिशा के लोगों को शर्मिंदा होना पड़े' उन्होंने कहा, 'हो सकता है कि मैं राज्य का नाम रोशन न कर रहा होऊं लेकिन मैंने अपने काम से कभी भी लोगों को शर्मिंदा नहीं किया है। मैं कभी ऐसा कोई काम नहीं करूंगा जिससे राज्य की बदनामी हो।' प्रधान ने कहा कि भगवान जगन्नाथ और संबलपुर की आराध्य देवी समलेश्वरी के आशीर्वाद से वे 12 साल पहले केंद्रीय मंत्री बने थे। पटनायक के खिलाफ उनकी यह टिप्पणी एक ऐसे मंच से आई, जहां बीजेडी विधायक और ओडिशा विधानसभा में उप-नेता प्रसन्ना आचार्य भी मौजूद थे। प्रधान ने कहा, 'बीजेडी के विरोध को देखते हुए मैंने प्रसन्ना भाई से सलाह ली थी कि मुझे जाना चाहिए या नहीं। प्रसन्ना बाबू ने मुझे आने के लिए कहा और भरोसा दिलाया कि मेरा स्वागत किया जाएगा। मैं उनकी इजाजत लेकर ही यहां आया हूं।

राजस्थान में बड़े फर्जीवाड़े का खुलासा, फर्जी दिव्यांगता प्रमाण पत्रों से 45 कर्मियों ने हासिल की सरकारी नौकरी

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान में पिछले कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में फर्जी दिव्यांगता प्रमाण पत्र के आधार पर सरकारी नौकरी हासिल करने वाले 25 कर्मचारियों को निलंबित करने के साथ ही गिरफ्तार किया गया है। साथ ही फर्जी दिव्यांगता प्रमाण पत्र के आधार पर विभिन्न सरकारी विभागों में नौकरी हासिल करने वाले 20 अन्य सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज किया गया है। ऐसे में अब तक 45 फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्र से सरकारी कार्मिक बनने वालों की जांच पूरी हुई है। करीब 500 सरकारी कार्मिक जांच के दायरे में हैं। इस मामले में ग्रामीण विकास विभाग में विकास अधिकारी के पद पर कार्यरत शेरसिंह को शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया। जयपुर सवाई मानसिंह अस्पताल में स्थित पुलिस थाने में थाना अधिकारी सूरजमल ने बताया कि सूचना के आधार पर विकास अधिकारी शेरसिंह की जांच की गई तो उसका प्रमाण पत्र फर्जी निकला। फर्जी दिव्यांगता प्रमाण पत्र देने और दलाली करने वालों के खिलाफ चलाए गए इस अभियान में सरकारी अस्पतालों में कार्यरत आधा दर्जन चिकित्सकों के खिलाफ पुलिस में अलग-अलग मामले दर्ज किए हैं। चिकित्सकों ने पैसे लेकर किसी को श्रवण बाधित प्रमाण पत्र दिया तो किसी को दृष्टिबाधित प्रमाण पत्र दिए थे। एसओजी पिछले तीन माह से इस मामले की जांच कर रही है।

युद्ध का दंश: गाजा मददगारों ने इस्राइल पर लगाए प्रताड़ना के आरोप, अंधेरे कंटेनर और बिजली के झटकों का किया दावा

पेरिस/इस्तांबुल, एजेंसी। मई मध्य में ग्लोबल सुमुद फ्लोटिला संगठन के कुछ कार्यकर्ता समुद्र के रास्ते सहायता लेकर गाजा की नाकाबंदी तोड़ने की कोशिश कर रहे थे। इसी दौरान इस्राइली सैन्य बलों ने उन्हें हिरासत में ले लिया। छूटने के बाद 24 में 22 कार्यकर्ताओं ने दावा किया कि उन्हें हिरासत में बुरी तरह प्रताड़ित किया गया। लात-घूंसों से पीटा गया, अंधेरे कंटेनरों में रखा गया। यही नहीं, उन्हें बिजली के झटके दिए गए और उनका यौन उत्पीड़न भी किया गया।पीड़ितों ने बताया कि मई मध्य में लगभग 50 नौकाओं से 400 से अधिक कार्यकर्ता तुर्किये से रवाना हुए थे। उनका इरादा युद्धग्रस्त गाजा के लोगों के लिए भोजन और आवश्यक मानवीय सहायता पहुंचाना था। गाजा तट से काफी पहले अंतरराष्ट्रीय

जलक्षेत्र में ही इस्राइली नौसेना के कमांडो ने इस बेड़े को अपने कब्जे में ले लिया।कार्यकर्ताओं को पहले इस्राइली जहाजों पर और बाद में दक्षिणी इजरायल के अश्दोद बंदरगाह पर लगभग तीन दिनों तक हिरासत में रखा गया। इस्राइल के राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन-ग्वीर ने इस दौरान सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी जारी किया गया, जिसमें वह हिरासत में लिए गए कार्यकर्ताओं का मजाक उड़ाते नजर आए थे। इस बीच, इस्राइल ने कार्यकर्ताओं के लगाए आरोपों को निराधार बताया है।यौन उत्पीड़न का भी आरोपऑस्ट्रेलियाई फिल्म निर्माता और कार्यकर्ता जूलियट लैमोंट ने आरोप लगाया कि उन्हें एक शिपिंग कंटेनर के अंदर गंभीर रूप से पीटा गया और यौन उत्पीड़न किया गया। वहीं, इतालवी कार्यकर्ता डेरियो कैरोतेनुतो ने बताया कि उन्हें और अन्य लोगों को बेहद तंग जगहों पर फर्श पर सोने के लिए मजबूर किया।युद्ध के नियमों के उल्लंघन की हो रही जांचफ्रांस, इटली और ऑस्ट्रेलिया के अधिकारियों इस घटना की कड़ी आलोचना की है। साथ ही घटना की औपचारिक जांच भी शुरू कर दी है। जिनेवा कन्वेंशन और अंतरराष्ट्रीय कानून के विशेषज्ञों का कहना है कि यदि आरोप सही साबित होते हैं, तो यह युद्ध के नियमों और मानवीय कानूनों का स्पष्ट उल्लंघन है।चिकित्सा रिपोर्ट में हुई उत्पीड़न की पुष्टिहिरासत से रिहा होने और तुर्किये और अन्य यूरोपीय देशों लौटने के बाद, कई कार्यकर्ताओं को तुरंत अस्पतालों में भर्ती कराना पड़ा। छह कार्यकर्ताओं के उपलब्ध कराए गए मेडिकल रिकॉर्ड और अस्पतालों की रिपोर्ट से उत्पीड़न का खुलासा होता है। इनकी पसलियों और रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर पाया गया। वहीं, बिजली के झटके देने के भी साफ संकेत मिले।

हिमांशी खुराना हत्याकांड का महीनों बाद खुला राजः एयरपोर्ट से साथी अब्दुल गफूरी गिरफ्तार, कनाडा में था वांटेड

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा के टोरंटो में भारतीय मूल की 30 वर्षीय हिमांशी खुराना की दिसंबर में हुई हत्या के मामले में पुलिस ने महीनों बाद उनके साथी 32 वर्षीय अब्दुल गफूरी को एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया है। गफूरी पर फर्स्ट-डिग्री मर्डर का आरोप लगाया गया है और वह कनाडा-व्यापी वारंट के तहत वांछित था। पुलिस के अनुसार, पीड़िता और संदिग्ध एक-दूसरे को जानते थे। मामले में कानूनी कार्यवाही जारी है।अब्दुल गफूरी को कहां से किया गया गिरफ्तारटोरंटो निवासी गफूरी को शुक्रवार को एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों ने शनिवार को स्थानीय समयानुसार बताया कि उस पर खुराना की 'फर्स्ट-डिग्री मर्डर' यानी पूर्व नियोजित और जानबूझकर की गई हत्या का आरोप लगाया गया है। अधिकारियों के अनुसार, टोरंटो पुलिस के भगोड़े आरोपियों को पकड़ने वाले दस्ते और हत्या की जांच करने वाली यूनिट ने गफूरी को कनाडा वापस लाने के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुलिस सेवाओं के साथ मिलकर काम किया।किस देश में था गफूरी, पुलिस ने क्यों नहीं बतायाहालांकि, अधिकारियों ने यह नहीं बताया कि गिरफ्तारी से पहले गफूरी किस देश में था। पुलिस की ओर से इस संबंध में कोई और जानकारी भी साझा नहीं की गई है। हिमांशी खुराना पिछले साल 20 दिसंबर को मृत पाई गई थीं। अधिकारियों ने बताया था कि इससे एक दिन पहले, 19 दिसंबर को स्ट्रैचन एवेन्यू और वेलिंगटन स्ट्रीट वेस्ट इलाके से एक व्यक्ति के लापता होने की सूचना मिली थी। अगले दिन पुलिस को उस समय दुखद जानकारी मिली, जब लापता महिला हिमांशी खुराना एक घर के अंदर मृत पाई गई।पुलिस को कब पता चला कि मामला हत्या का हैपुलिस ने पुष्टि की थी कि पीड़िता और संदिग्ध एक-दूसरे को जानते थे। शुरुआती जांच के बाद पुलिस ने इस मामले को हत्या के रूप में दर्ज किया था। टोरंटो स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने भारतीय मूल की महिला की हत्या पर दुख व्यक्त किया था। दूतावास ने कहा था कि अधिकारी पिछले कुछ दिनों से मामले पर बारीकी से नजर रख रहे हैं और कनाडाई अधिकारियों के साथ मिलकर परिवार को हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।गफूरी पर कौन-सा गंभीर आरोप लगाया है। गयौअब्दुल गफूरी 'फर्स्ट-डिग्री मर्डर' के आरोप में कनाडा-व्यापी वारंट के तहत वांछित था। यह एक गंभीर आपराधिक आरोप है, जिसमें अदालत में हत्या के पूर्व नियोजन और इरादे को साबित किए जाने पर पैरोल के बिना आजीवन कारावास की सजा हो सकती है। अधिकारियों ने बताया कि मामले में कानूनी कार्यवाही जारी है।

एक सदी बाद मिटा गुमनामी का दाग: प्रथम विश्वयुद्ध में शहीद हुए थे 9,909 पंजाबी सैनिक इतिहास में दर्ज हुआ नाम

लंदन, एजेंसी। प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान ब्रिटिश सेना की ओर से लड़ते हुए जान गंवाने वाले करीब 10,000 पंजाबी सैनिकों को आखिरकार एक सदी बाद आधिकारिक पहचान मिल गई है। वर्षों तक ब्रिटेन के सरकारी रिकॉर्ड में गुमनाम रहे इन सैनिकों के नाम अब कॉमनवेल्थ वार ग्रेव कमीशन के रजिस्टर में दर्ज किए गए हैं। यह काम ब्रिटिश इतिहासकारों और अधिकारियों की वर्षों की मेहनत के बाद संभव हो पाया है। इस ऐतिहासिक कवायद में 9,909 सैनिकों के नाम आधिकारिक शहीद रिकॉर्ड में शामिल किए गए हैं। भारत में ब्रिटिश शासन के दौर में पंजाब के एक गांव में रहने वाले केसा सिंह भी उन सैनिकों में शामिल थे, जिन्होंने प्रथम विश्वयुद्ध में हिस्सा लेने के लिए अपना घर-परिवार छोड़ दिया था। उन्होंने मौजूदा इराक के इलाके में ब्रिटिश सेना की ओर से लड़ाई लड़ी। ऑटोमन क्षेत्र में युद्ध के दौरान घायल होने के बाद उनकी मौत हो गई और वह फिर कभी अपने घर नहीं लौट सके। हालांकि, ब्रिटेन के आधिकारिक रिकॉर्ड में उन्हें वह सम्मान और पहचान नहीं मिल सकी, जिसकी उनके परिवार को उम्मीद थी।लाहौर संग्रहालय के अभिलेखागार से कैसे मिली सैनिकों की पहचानइन गुमनाम सैनिकों की पहचान का प्रयास 2014 में शुरू हुआ था। इसका नेतृत्व ब्रिटिश इतिहासकार और यूके पंजाब हेरिटेज एसोसिएशन के अध्यक्ष अमनदीप मंद्रा ने किया। शोध के दौरान पाकिस्तान के लाहौर संग्रहालय के अभिलेखागार में प्रथम विश्वयुद्ध में मारे गए पंजाबी सैनिकों के हाथ से लिखे नाम मिले। इन दस्तावेजों से सैनिकों की पहचान, उनके गृह नगर और कुछ मामलों में उनकी मौत से जुड़ी परिस्थितियों का भी पता चला।14 लाख भारतीय सैनिकों ने प्रथम विश्वयुद्ध में निभाई थी भूमिका1914 से 1918 के बीच चले प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान भारतीय उपमहाद्वीप के करीब 14 लाख सैनिकों ने ब्रिटिश भारतीय सेना में सेवा दी थी। इनमें बड़ी संख्या पंजाब से आने वाले सैनिकों की थी। इन सैनिकों ने ब्रिटिश सेना के लिए विभिन्न युद्ध मोर्चों पर लड़ाई लड़ी, लेकिन युद्ध में जान गंवाने के बावजूद बड़ी संख्या में भारतीय सैनिकों को आधिकारिक रिकॉर्ड में वह पहचान नहीं मिली, जो ब्रिटिश सैनिकों को दी गई थी। इंग्लैंड के लीसेस्टर में रहने वाले केसा सिंह के परपोते और डेंटिस्ट डॉ. इंदर सिंह पालाहे ने इस ऐतिहासिक बदलाव पर कहा कि अब उन्हें थोड़ा अधिक पूर्ण महसूस हो रहा है। हालांकि, आधिकारिक रिकॉर्ड में केसा सिंह की उम्र या उनकी मृत्यु की तारीख का उल्लेख नहीं है, लेकिन उनका नाम अब उन सैनिकों की सूची में दर्ज हो गया है, जिन्होंने प्रथम विश्वयुद्ध में अपनी जान गंवाई थी।नस्ली भेदभाव के कारण क्यों छूट गए थे हजारों सैनिकों के नामब्रिटेन ने दोनों विश्वयुद्धों में मारे गए ब्रिटिश सैनिकों की सूचियों को व्यवस्थित तरीके से संभालकर रखा। इनकी संख्या 10 लाख से अधिक थी। इसके विपरीत, एशिया और अफ्रीका के उपनिवेशों से आने वाले करीब 1 लाख सैनिकों और अन्य सैन्यकर्मियों के रिकॉर्ड को उसी तरह संरक्षित और दर्ज करने का प्रयास नहीं किया गया। कॉमनवेल्थ वार ग्रेव्स कमीशन के आधिकारिक इतिहासकार जॉर्ज हे के अनुसार, इन सैनिकों के नाम रिकॉर्ड से छूटने के पीछे भेदभावपूर्ण रवैया और तीन महाद्वीपों में फैले सैन्य संघर्ष के दौरान रिकॉर्ड तैयार करने की व्यावहारिक चुनौतियां, दोनों जिम्मेदार थीं।

कीचड़ में तब्दील हुआ मुख्य मार्ग, 320 ग्रामीण परेशान; तहसीलदार ने जांच और जल निकासी का दिया भरोसा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। रामपुर नैकिन तहसील के चकडौर गांव की नई बस्ती में बारिश के बाद सड़क की हालत बदहाल हो गई है मुख्य मार्ग पर कीचड़ और पानी जमा होने से करीब 320 ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि बस्ती की सड़क करीब 20 वर्षों से खराब है लेकिन अब तक इसका स्थायी समाधान नहीं हो सका है।

बारिश में दलदल बन जाता है रास्ता: ग्रामीणों के अनुसार बारिश होते ही नई बस्ती का मुख्य रास्ता कीचड़ में तब्दील हो जाता है। सड़क खराब होने से छोटे-बड़े वाहनों का निकलना मुश्किल हो जाता है। पैदल आने-जाने वाले लोगों को भी परेशानी उठानी पड़ती है। बस्ती में अनुसूचित जाति और आदिवासी परिवारों की बड़ी संख्या है और यही मार्ग उनके लिए मुख्य आवागमन का साधन है ग्रामीण नीरज गुप्ता ने बताया कि सड़क निर्माण की मांग लंबे समय से की जा रही है। उनका आरोप है कि सड़क के नाम पर कई बार राशि खर्च किए जाने की बात सामने आई, लेकिन मौके पर समस्या जस की तस बनी हुई है।

10 लाख की मुरुम के बाद भी हालात जस के तस: ग्रामीणों के मुताबिक, हाल ही में सुदूर सड़क योजना के तहत करीब 10 लाख रुपए की मुरुम सड़क पर डाले जाने का दावा किया गया था। हालांकि बारिश के बाद मुरुम दिखाई नहीं दे रही और रास्ता दोबारा कीचड़ में बदल गया है ग्रामीणों का कहना है कि यदि सड़क पर मुरुम डालने के साथ पानी की निकासी की उचित व्यवस्था की जाती तो स्थिति में सुधार हो सकता था कीचड़ के कारण दोपहिया वाहन फिसलने का खतरा बना रहता है। वहीं किसी मरीज या गर्भवती महिला को अस्पताल ले जाने की स्थिति में भी ग्रामीणों को काफी परेशानी होने की बात कही गई है रविवार सुबह ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारियों को फोन पर शिकायत कर सड़क की समस्या का जल्द समाधान कराने की मांग की।

जल निकासी की होगी व्यवस्था : तहसीलदार: रामपुर नैकिन तहसीलदार आशीष मिश्रा ने कहा कि ग्रामीणों को सुविधा उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है मामले की जांच कराई जाएगी। सड़क पर पानी जमा न हो और कीचड़ की समस्या कम हो इसके लिए पानी की निकासी की व्यवस्था भी कराई जाएगी ग्रामीणों ने स्थायी सड़क निर्माण के साथ तत्काल जल निकासी की व्यवस्था कराने की मांग की है।

रिटायर्ड आर्मी जवान के परिवार ने सकुशल वापसी के लिए रखा व्रत, सोमवार तक नहीं मिला तो विशेष हवन की तैयारी

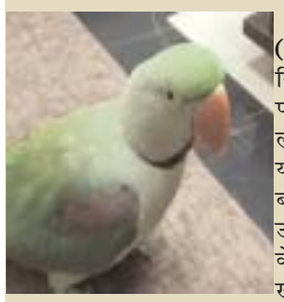

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। सोहागपुर थाना क्षेत्र में रिटायर्ड आर्मी जवान के परिवार का पालतू तोता 'गोपि' अचानक लापता हो गया। परिवार के लिए यह तोता महज पालतू पक्षी नहीं, बल्कि घर के एक सदस्य जैसा है उसकी तलाश में परिजन आसपास के घरों, छतों और पेड़ों पर लगातार खोजबीन कर रहे हैं। परिवार ने तोते की जानकारी देने वाले को 21 हजार रुपए नकद इनाम देने की घोषणा की है रिटायर्ड आर्मी जवान चंदन मिश्रा ने बताया कि करीब एक वर्ष पहले वह तोते को अनूपपुर जिले के अमरकंटक से बहुत छोटी उम्र में घर लेकर आए थे धीरे-धीरे 'गोपि' परिवार के सभी सदस्यों के साथ घुल-मिल गया वह घर के लोगों की आवाज पहचानता है और कुछ शब्द बोल भी लेता है। परिजनों के मुताबिक शनिवार दोपहर बच्चे घर में 'गोपि' के साथ खेल रहे थे। इसी दौरान वह अचानक उड़ गया शुरुआत में परिवार को उम्मीद थी कि वह कुछ देर बाद वापस लौट आएगा लेकिन काफी समय बीतने के बाद भी जब वह नहीं आया तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की आसपास के पेड़ों, छतों और पड़ोस के घरों में तलाश करने के साथ सोशल मीडिया पर भी उसकी पहचान संबंधी पोस्टर साझा किए गए हैं परिवार के अनुसार 'गोपि' हरे रंग का है और उसकी गर्दन पर काली रिंग बनी हुई है उसके पीठ के पंखों की बनावट भी विशेष है परिवार ने लोगों से अपील की है कि यदि किसी को यह तोता दिखाई दे तो उसे सुरक्षित रखें और तुरंत परिवार को सूचना दें सही जानकारी देकर 'गोपि' तक पहुंचाने वाले व्यक्ति को 21 हजार रुपए का नकद पुरस्कार दिया जाएगा तोते के लापता होने से परिवार काफी भावुक है परिजनों ने 'गोपि' की सकुशल वापसी तक व्रत रखने का संकल्प लिया है परिवार ने पंडित से संपर्क कर विशेष पूजा की भी तैयारी की है। परिजनों का कहना है कि यदि सोमवार तक 'गोपि' वापस नहीं लौटता है तो उसकी सकुशल वापसी की कामना के लिए घर में विशेष हवन-पूजन कराया जाएगा।

कलेक्टर के निर्देश पर RTO की कार्रवाई, 24 स्कूल बसों की जांच; फिटनेस और दस्तावेजों की पड़ताल

मीडिया ऑडीटर, शहडोल, (निप्र)। स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर परिवहन विभाग ने जिले में स्कूल वाहनों की सघन जांच शुरू की है कलेक्टर के निर्देश पर क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी संतोष पॉल के नेतृत्व में आरटीओ टीम ने विभिन्न स्कूलों की 24 बसों का निरीक्षण किया। जांच के दौरान तीन वाहनों में नियमों से जुड़ी कमियां पाए जाने पर उनके खिलाफ कार्रवाई करते हुए कुल 7 हजार रुपए का जुर्माना वसूला गया।

फटनेस से लेकर दस्तावेजों की जांच: जांच टीम ने स्कूल बसों की तकनीकी स्थिति के साथ फिटनेस, परमिट, बीमा, प्रदूषण प्रमाण-पत्र और अन्य आवश्यक दस्तावेजों की जांच की अधिकारियों ने यह भी देखा कि वाहनों के दस्तावेज निर्धारित समय पर नवीनीकृत हैं या नहीं और बसों का संचालन बच्चों की सुरक्षा से जुड़े निर्धारित मानकों के अनुसार किया जा रहा है या नहीं जांच के दौरान तीन वाहनों में कमियां मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई की गई परिवहन विभाग ने वाहन संचालकों और स्कूल प्रबंधन को स्पष्ट निर्देश दिए कि बच्चों की सुरक्षा से जुड़े नियमों का किसी भी स्थिति में उल्लंघन न किया जाए। आरटीओ संतोष पॉल ने वाहन संचालकों को सभी जरूरी दस्तावेज अपडेट रखने और स्कूल बसों का नियमित रखरखाव कराने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि वाहनों की फिटनेस में किसी भी प्रकार की लापरवाही बच्चों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन सकती है

किसानों को सहकारी समितियों से जोड़कर योजनाओं का लाभ दिलाना प्राथमिकता : महेंद्र सिंह यादव

जिला सहकारी केंद्रीय बैंक में सदस्यता अभियान की समीक्षा, 18 हजार नए सदस्य सहकारिता की मुख्यधारा से जुड़े

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में मनाए जा रहे कृषक कल्याण वर्ष के तहत किसानों को शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ दिलाने के लिए उन्हें सहकारी समितियों से जोड़ने का अभियान लगातार जारी है इसी क्रम में अपेक्स बैंक के प्रशासक महेंद्र सिंह यादव ने जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित, सीधी में सदस्यता अभियान सहित सहकारिता क्षेत्र से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं की समीक्षा की समीक्षा के दौरान महेंद्र सिंह यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार इस वर्ष को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मना रही है सरकार की प्राथमिकता है कि किसानों तक योजनाओं का लाभ प्रभावी ढंग से पहुंचे और उन्हें सहकारिता व्यवस्था से जोड़ा जाए उन्होंने बताया कि कार्यभार संभालने के बाद से प्रदेश के विभिन्न संभागों का दौरा कर सहकारिता क्षेत्र को मजबूत करने और किसानों को सहकारी संस्थाओं से जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं उन्होंने कहा कि 20 अप्रैल से शुरू किए गए सदस्यता महाअभियान के माध्यम से अधिक से अधिक किसानों को सहकारी समितियों की मुख्यधारा से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है सीधी जिले में अभियान को अच्छी प्रतिक्रिया मिली है अब तक जिले में 18 हजार नवीन सदस्यों को सहकारिता की मुख्यधारा से जोड़ा जा चुका है।

54 पैक्स के माध्यम से किसानों तक पहुंच: महेंद्र सिंह यादव ने कहा कि प्रदेश में सहकारिता को जन-जन तक पहुंचाने और किसानों के साथ ग्रामीण क्षेत्र के नागरिकों को सहकारी व्यवस्था से जोड़ने में प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों (पैक्स) की महत्वपूर्ण भूमिका है जिला सहकारी केंद्रीय बैंक सीधी के अंतर्गत जिले में कुल 54 पैक्स कार्यरत हैं इन समितियों के माध्यम से किसानों को ऋण, कृषि संबंधी सुविधाओं और शासन की विभिन्न किसान हितैषी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाता है ऐसे में सदस्यता अभियान को केवल संख्या बढ़ाने तक सीमित न रखते हुए प्रत्येक पात्र किसान को सहकारी व्यवस्था से जोड़ना जरूरी है।

समिति प्रबंधक सहकारी आंदोलन की रीढ़: अपेक्स बैंक प्रशासक ने कहा कि समिति प्रबंधक सहकारी आंदोलन की रीढ़ हैं वे सरकार और किसानों के बीच महत्वपूर्ण सेतु के रूप में काम करते हैं। इसलिए उनकी जिम्मेदारी है कि दूरस्थ अंचलों में रहने वाले किसानों तक भी सहकारिता की सुविधाएं पहुंचें और पात्र किसानों को सहकारी समितियों का सदस्य बनाया जाए। उन्होंने समिति प्रबंधकों से किसानों के साथ मधुर व्यवहार, सकारात्मक कार्यप्रणाली और संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाने की अपील की उन्होंने कहा कि किसानों की समस्याओं को समझकर उन्हें सहकारिता से जोड़ने का प्रयास किया जाना चाहिए, ताकि ग्रामीण क्षेत्र में सहकारिता व्यवस्था और मजबूत हो सके।

नईगढ़ी में धूमधाम से मनाया गया विश्व आदिवासी दिवस

भीम आर्मी एकता मिशन ने निकाली पैदल रैली, सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने लिया हिस्सा

मीडिया ऑडीटर,नईगढ़ी (निप्र)। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर नईगढ़ी तहसील एवं ब्लॉक क्षेत्र में भीम आर्मी एकता मिशन के कार्यकर्ताओं द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने नगर में पैदल रैली निकालकर आदिवासी समाज की एकता, अधिकारों और सामाजिक जागरूकता का संदेश दिया कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की मौजूदगी रही भीम आर्मी एकता मिशन के कार्यकर्ताओं ने उत्साह के साथ पैदल यात्रा शुरू की। रैली नईगढ़ी नगर के विभिन्न मार्गों से होकर गुजरी। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने समाज को जागरूक करने का संदेश दिया रैली का समापन नईगढ़ी थाना के पीछे किया गजहां कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एडवोकेट अजायज उर्फ राहुल मांझी रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता कवि सूर्यभान साकेत ने की कवि सूर्यभान साकेत ने अपनी कविताओं के माध्यम से आदिवासी समाज सहित एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग के लोगों को सामाजिक अधिकारों एवं जागरूकता के प्रति प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने आदिवासी, दलित, शोषित और पिछड़े वर्ग के लोगों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने तथा सामाजिक एकजुटता बनाए रखने का संदेश दिया वक्ताओं ने कहा कि समाज की प्रगति के लिए शिक्षा, संगठन और जागरूकता महत्वपूर्ण हैं उन्होंने युवाओं से भी सामाजिक मुद्दों को समझने और सकारात्मक भूमिका निभाने का आह्वान किया। इस अवसर पर नईगढ़ी तहसील प्रभारी रितेश रावत, नईगढ़ी ब्लॉक अध्यक्ष एवं मीडिया प्रभारी सुभाष पटेल, ब्लॉक संगठन प्रभारी साहब लाल, मोहित साकेत सहित अन्य वक्ताओं ने अपने विचार रखे वक्ताओं ने आदिवासी एवं अन्य वंचित वर्गों के अधिकारों और सामाजिक उत्थान से जुड़े विषयों पर लोगों को जागरूक किया। विश्व आदिवासी दिवस के आयोजन को लेकर कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला कार्यक्रम में नईगढ़ी तहसील एवं ब्लॉक क्षेत्र से भीम आर्मी एकता मिशन के सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल हुए पैदल रैली के दौरान कार्यकर्ताओं ने एकजुटता का प्रदर्शन किया और सामाजिक जागरूकता का संदेश नगरवासियों तक पहुंचाया।

एथेनॉल विरोध पर भड़के भाजपा सांसद जनार्दन मिश्रा, बोले- शुद्ध पेट्रोल तुम्हारे बाप के घर से आएगा?

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा से भोपाल और कोलकाता के लिए शुरू हुई नई विमान सेवाओं के उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान भाजपा सांसद जनार्दन मिश्रा अपने एक बयान को लेकर चर्चा में आ गए रीवा एयरपोर्ट पर आयोजित कार्यक्रम में एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल का विरोध करने वालों पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि जब कुछ लोग शुद्ध पेट्रोल की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं तो सवाल उठता है कि 'शुद्ध पेट्रोल तुम्हारे बाप के घर से आएगा?

सांसद के इस बयान का वीडियो और बयान सामने आने के बाद राजनीतिक एवं सार्वजनिक चर्चाओं में इसकी प्रतिक्रिया देखने को मिली। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल सहित कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद थे।

एथेनॉल मिश्रण को बताया जरूरी: सांसद जनार्दन मिश्रा ने अपने संबोधन में एथेनॉल मिश्रण की नीति का समर्थन करते हुए कहा कि भारत अपनी जरूरत का लगभग 20 प्रतिशत कच्चा तेल ही देश में उत्पादित करता है जबकि बड़ी मात्रा में तेल विदेशों से आयात करना पड़ता है उन्होंने वैश्विक परिस्थितियों और युद्ध के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल की आपूर्ति एवं परिवहन प्रभावित होने का भी उल्लेख किया उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में पेट्रोल में एथेनॉल का मिश्रण देश की ऊर्जा जरूरतों और आयात पर निर्भरता को कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण को बढ़ावा देने की नीति का उल्लेख करते हुए उन्होंने इसका विरोध करने वालों पर सवाल उठाए।

ब्राजील का दिया उदाहरण: एथेनॉल के इस्तेमाल का समर्थन करते हुए सांसद ने ब्राजील का उदाहरण दिया उन्होंने कहा कि ब्राजील दुनिया के प्रमुख एथेनॉल उत्पादक देशों में शामिल है और वहां बड़े पैमाने पर एथेनॉल आधारित ईंधन का इस्तेमाल किया जाता है।

11 अगस्त को सिहावल में होगी उपखंड स्तरीय जनसुनवाई

कलेक्टर विकास मिश्रा स्वयं सुनेंगे नागरिकों की समस्याएं, विभागीय अधिकारियों की मौजूदगी में मौके पर निराकरण के प्रयास

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। आमजन की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण तथा जिले में सुशासन की व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा विकासखंड स्तर पर भी जनसुनवाई का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में11 अगस्त 2026, मंगलवार को जनपद पंचायत सभागार सिहावल में उपखंड स्तरीय जनसुनवाई आयोजित की जाएगी जनसुनवाई में कलेक्टरविकास मिश्रा स्वयं उपस्थित होकर नागरिकों की समस्याएं सुनेंगे मध्यप्रदेश शासन के निर्देशों के अनुरूप आयोजित होने वाली इस जनसुनवाई का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों और प्रशासन के बीच सीधे संवाद को मजबूत करना इसके साथ ही नागरिकों द्वारा प्रस्तुत शिकायतों, समस्याओं और आवेदनों का समयबद्ध एवं प्रभावी निराकरण सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा जनसुनवाई को प्रभावी बनाने के लिए जिला प्रशासन ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं। सिहावल क्षेत्र से जुड़े सभी विभागों केखंड स्तरीय अधिकारी, राजस्व निरीक्षक, पटवारी एवं ग्राम पंचायत सचिव जनसुनवाई में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहेंगे अधिकारियों की मौजूदगी का उद्देश्य यह है कि नागरिकों द्वारा प्रस्तुत समस्याओं की मौके पर ही संबंधित विभाग के अधिकारी जानकारी ले सकें और जिन प्रकरणों का तत्काल निराकरण संभव उनका मौके पर ही समाधान किया जा सके। जिन मामलों में विस्तृत जांच या प्रक्रिया की आवश्यकता होगी, उनमें संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए जाएंगे। प्रशासन का मानना है कि विकासखंड स्तर पर आयोजित जनसुनवाई से ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों को अपनी समस्याएं जिला मुख्यालय तक ले जाने की आवश्यकता कम होगी। स्थानीय स्तर पर प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में शिकायतें प्रस्तुत करने और उनके निराकरण की प्रक्रिया को अधिक सरल एवं प्रभावी बनाया जा सकेगा जनसुनवाई में नागरिकराजस्व, पंचायत, शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी, सड़क, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं सहित विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याएं एवं शिकायतें प्रस्तुत कर सकेंगे। इसके अलावा नागरिक अपने क्षेत्र से जुड़े विकास कार्यों और प्रशासनिक व्यवस्थाओं को लेकर सुझाव भी दे सकेंगे।

कलेक्टर के निर्देश पर खनिज और राजस्व विभाग ने की कार्रवाई, शासकीय भूमि पर बिना अनुमति भंडारण मिलने पर मौके पर ही नष्ट कराया रेत

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। ब्यौहारी तहसील क्षेत्र में अवैध रेत उत्खनन, परिवहन और भंडारण के खिलाफ प्रशासन ने कार्रवाई तेज कर दी है कलेक्टर पार्थ जायसवाल के निर्देश पर खनिज एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने ग्राम खड़ौली और ग्राम पंचायत नौढ़िया में कार्रवाई करते हुए करीब 50 घनमीटर अवैध रेत का मौके पर ही विनिष्टीकरण कराया प्रशासन की इस कार्रवाई से अवैध खनिज कारोबार से जुड़े लोगों में हड़कंप की स्थिति बनी हुई है कार्रवाई एसडीएम ब्यौहारी अर्चना मिश्रा और जिला खनिज अधिकारी राहुल शाडिल्य के नेतृत्व में की गई जांच के दौरान टीम को शासकीय भूमि पर रेत का अव्यवस्थित एवं बिना अनुमति भंडारण मिला अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण करने के बाद नियमानुसार कार्रवाई करते हुए रेत को जब्त कर परिवहन करने के बजाय वहीं विनिष्टीकरण कराया।

शिकायतों के बाद प्रशासन ने बढ़ाई निगरानी: बताया गया कि ब्यौहारी क्षेत्र में लंबे समय से अवैध रेत उत्खनन, परिवहन और भंडारण को लेकर शिकायतें प्रशासन तक पहुंच रही थीं शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर ने खनिज एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों को क्षेत्र में जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे इसके बाद संयुक्त टीम ने अलग-अलग स्थानों पर जांच शुरू की जांच के दौरान शासकीय भूमि पर बिना अनुमति रेत का भंडारण पाए जाने पर अधिकारियों ने तत्काल कार्रवाई की करीब 50 घनमीटर रेत को मौके पर ही नष्ट कराया गया ताकि उसका अवैध रूप से परिवहन या दोबारा उपयोग न किया जा सके।

अवैध खनिज गतिविधियों पर कार्रवाई जारी: प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शासकीय भूमि पर बिना अनुमति खनिज सामग्री का भंडारण नियमों का उल्लंघन है। जिले में खनिज संपदा के अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण की शिकायतों की लगातार निगरानी की जा रही है संबंधित विभागों को ऐसे मामलों में तत्काल जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत निकली तिरंगा रैली

9 से 17 अगस्त तक जिलेभर में होंगी प्रभात फेरियां और तिरंगा यात्राएं , जनभागीदारी बढ़ाने पर जोर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। हर घर तिरंगा अभियान 2026 के अंतर्गत सीधी जिले की ग्राम पंचायतों में देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और राष्ट्र गौरव की भावना को मजबूत करने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है इसी क्रम में रविवार को ग्राम पंचायत मझिगवां और पिपरगव में तिरंगा रैली निकाली गई रैली में ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों, युवाओं और आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। हाथों में तिरंगा लेकर निकले लोगों ने देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया रैली के दौरान ग्रामीणों में खासा उत्साह देखने को मिला। विभिन्न स्थानों से लोग तिरंगा लेकर कार्यक्रम में शामिल हुए। भारत माता के जयकारों और देशभक्ति के नारों के साथ निकली तिरंगा यात्रा ने ग्रामीणों को अभियान से जुड़ने के लिए प्रेरित किया आयोजन के माध्यम से नागरिकों को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने घरों और प्रतिष्ठानों पर तिरंगा फहराने के लिए जागरूक किया गया।

पंचायत स्तर पर लगातार होंगे आयोजन: जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शैलेन्द्र सिंह सोलंकी के निर्देशन में जिले की सभी ग्राम पंचायतों में हर घर तिरंगा अभियान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं प्रशासन द्वारा पंचायत स्तर पर प्रभात फेरी, तिरंगा यात्रा सहित अन्य कार्यक्रमों के माध्यम से अधिक से अधिक नागरिकों को अभियान से जोड़ने की पहल की जा रही है अभियान के तहत 9 से 17 अगस्त तक जिले में प्रभात फेरियों और तिरंगा यात्राओं का आयोजन किया जाएगा इन आयोजनों का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और देश के प्रति गौरव की भावना को मजबूत करना है साथ ही नागरिकों को स्वतंत्रता दिवस पर अपने घरों, संस्थानों और कार्यस्थलों पर सम्मानपूर्वक तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

स्वतंत्रता दिवस से पहले बढ़ाई जा रही जनभागीदारी: प्रशासन का प्रयास है कि हर घर तिरंगा अभियान केवल सरकारी स्तर तक सीमित न रहे, बल्कि इसमें समाज के प्रत्येक वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित हो इसके लिए ग्राम पंचायतों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, युवाओं, स्वयंसेवी संगठनों और आम नागरिकों को कार्यक्रमों से जोड़ा जा रहा है अधिकारियों के अनुसार, तिरंगा यात्रा और प्रभात फेरी जैसे कार्यक्रम नागरिकों को राष्ट्रीय पर्व की भावना से जोड़ने का प्रभावी माध्यम हैं। इनके जरिए नई पीढ़ी को राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान, स्वतंत्रता संग्राम के मूल्यों और देश की एकता एवं अखंडता के महत्व के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूर्ण होने से भी जुड़ा अभियान: हर घर तिरंगा अभियान का यह पांचवां संस्करण राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर को समर्पित है। अभियान के माध्यम से देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता की भावना के साथ 'वंदे मातरम' के सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक महत्व को भी जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

चार्जशीट तैयार कर रहा हूं...

संपादकीय

भाई और बहनों, डोंट डिस्टर्ब मी! डिस्टर्ब करोगे तो मेरा मिशन सफल नहीं हो पाएगा। मैं बहुत महत्वपूर्ण मिशन पर काम कर रहा हूं और मिशन यह है कि मैं अपने पड़ोसी के खिलाफ एक चार्जशीट तैयार कर रहा हूं। मेरा पड़ोसी हर चौथे पांचवें दिन मेरी गाड़ी पंचर कर देता है। मेरे गमले से फूल तोड़ देता है। मेरे घर के आगे कूड़ा फेंक देता है। मैं पुलिस में गया। बाकायदा शिकायत दर्ज करवाई। लेकिन मेरी कोई सुनवाई नहीं हुई। मैं इलाके के नेता जी के पास गया। उन्हें बताया कि मैंने पिछले चुनाव में आपको वोट दिया है। लेकिन उसने मुझे पहचानने से इनकार कर दिया। वहां भी मेरी कोई सुनवाई नहीं हुई। मैं प्रशासन के पास गया। प्रशासन ने कहा कि हमें तो नेताओं से ही फुर्सत नहीं है। थक हार कर मैंने सोचा कि अब मैं कहीं नहीं जाऊंगा और एक चार्जशीट तैयार करूंगा। पड़ोसी के खिलाफ मैंने सारे आंकड़े जुटा लिए हैं। वह पड़ोसी जिसके पास कभी मारुति कार में पेट्रोल डलवाने के पैसे नहीं थे, आज एक करोड़ की गाड़ी लेकर घूमता है। उसके पास पैसे कहां से आए। मैं चार्जशीट में लिखूंगा कि वह दो नंबर का काम करता है। क्योंकि एक नंबर के काम से इतने पैसे और इतनी महंगी गाड़ी का जुगाड़ नहीं हो सकता। पड़ोसी की एक बीवी और दो गर्लफ्रेंड हैं। आज के महंगाई के दौर में बीवी की फरमाइश पूरी करना ही बहुत मुश्किल होता है तो मेरा पड़ोसी बीवी के साथ-साथ दो गर्लफ्रेंड के नखरे कैसे पूरे करता है, यह सवाल मेरी चार्जशीट में होगा। मैंने चार्जशीट को सिर्फ आरोपों तक सीमित नहीं रखा है। इसमें पड़ोसी की पूरी 'उपलब्धियों' का विवरण भी जोड़ा है। मोहल्ले में जहां दो लोग लड़ते हैं, वहां वह सबसे पहले शांति स्थापित करने नहीं, वीडियो बनाने पहुंचता है। किसी के घर खुशी हो तो सबसे पहले पूछता है, 'खर्चा कितना आया?' और किसी पर मुसीबत आए तो सलाह मुफ्त देता है, मदद कभी नहीं। मेरी चार्जशीट का एक अध्याय उसकी ईमानदारी पर भी है। वह हर दूसरे दिन भ्रष्टाचार खत्म करने की पोस्ट डालता है, लेकिन दूध वाले से पांच रुपए और सब्जी वाले से दस रुपए के लिए आधा घंटा बहस करता है। टैक्स की बात आए तो कहता है, 'सरकार हमारा क्या करती है?' और सरकारी सुविधा मिले तो सबसे आगे लाइन में वही दिखाई देता है। मैंने उसके बैंक बैलेंस का पता नहीं लगाया, लेकिन उसके ज्ञान का बैलेंस जरूर देख लिया। क्रिकेट पर भी विशेषज्ञ, अर्थव्यवस्था पर भी विशेषज्ञ, विदेश नीति पर भी विशेषज्ञ और पड़ोसी की बहू क्यों मायके गई, इस विषय पर तो वह पीएचडी किए बैठा है। दुनिया में शायद ही कोई ऐसा विषय बचा हो, जिस पर उसने बिना पूछे सलाह न दी हो। चार्जशीट तैयार करते-करते मुझे लगा कि कहीं सबूत कम न पड़ जाएं। इसलिए मैंने सोशल मीडिया भी खंगाल डाला। वहां वह रोज राष्ट्रभक्ति का प्रमाणपत्र बांटता है, नैतिकता पर प्रवचन देता है और ईमानदारी के सुविचार साझा करता है। मोबाइल की स्क्रीन पर वह महात्मा गांधी लगता है, लेकिन असल जिंदगी में मोहल्ले वाले उसे देखकर अपने गेट का ताला चेक कर लेते हैं। इतने में दरवाजे की घंटी बजी। सामने वही पड़ोसी खड़ा था। मुस्कुराते हुए बोला, 'सुना है मेरे खिलाफ चार्जशीट बन रही है। अगर चाहो तो दो-चार आरोप और जोड़ लो। आजकल छोटी चार्जशीट की कोई वैल्यू नहीं होती। मोटी फाइल देखकर ही लोग समझ जाते हैं कि मामला बड़ा है।' उसकी बात सुनकर मुझे अचानक लगा कि चार्जशीट का भी अपना फैशन हो गया है। पहले लोग अपनी छवि चमकाने में लगे रहते थे, अब दूसरे की छवि धूमिल करने में व्यस्त हैं। पहले सबूत खोजे जाते थे, अब सुर्खियां खोजी जाती हैं। फैसला अदालत बाद में करती है, सोशल मीडिया पहले ही सुना देता है।

बिहार में सुशासन की कसौटी पर भरत तिवारी प्रकरण

डॉ. अरविंद नाथ तिवारी

लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति राज्य की दंडात्मक क्षमता नहीं बल्कि कानून का शासन होता है। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की विश्वसनीयता इस बात पर निर्भर करती है कि न्याय कानून की निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार हो, न कि संदेह, शक्ति या दबाव के आधार पर। जब किसी पुलिस मुठभेड़ पर गंभीर प्रश्न उठने लगें, जब न्यायिक प्रक्रिया से पहले गोलियों की गूंज सुनाई दे और जब देश के सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता सार्वजनिक मंच से गंभीर आरोप लगाएँ, तब वह घटना केवल एक व्यक्ति की मृत्यु का मामला नहीं रह जाती बल्कि शासन, प्रशासन और न्याय व्यवस्था की विश्वसनीयता की परीक्षा बन जाती है। भोजपुर जिले के बिलौटी गांव में हुए भरत तिवारी एनकाउंटर ने बिहार की राजनीति और प्रशासन के सामने ऐसे ही अनेक सवाल खड़े कर दिये हैं। सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता संजीव कुमार सिंह ने मीडिया के समक्ष दावा किया है कि यह कोई सामान्य पुलिस मुठभेड़ नहीं थी। उन्होंने आरोप लगाया कि पूरे घटनाक्रम के पीछे जवइनिया गांव के विस्थापितों के लिए आई लगभग 1400 करोड़ रुपये की राशि से जुड़े कथित वित्तीय घोटाले को छिपाने का उद्देश्य था। आरोपों की सत्यता का निर्णय केवल सक्षम न्यायालय अथवा निष्पक्ष जांच एजेंसी ही कर सकती है। इसलिए किसी भी पक्ष को दोषी या निर्दोष घोषित करना अभी न्यायोचित नहीं होगा। लेकिन यह भी उतना ही सत्य है कि इतने गंभीर आरोपों को केवल सरकारी बयान या औपचारिक स्पष्टीकरण से खारिज नहीं किया जा सकता। लोकतंत्र में पारदर्शिता केवल प्रशासनिक औपचारिकता नहीं, बल्कि जनता के विश्वास की आधारशिला होती है। यदि जनता के मन में संदेह पैदा हो जाय तो उस संदेह का समाधान निष्पक्ष जांच से ही संभव है। बिहार लंबे समय से सुशासन की राजनीति का दावा करता रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की राजनीतिक पहचान कानून-व्यवस्था, प्रशासनिक सुधार और जवाबदेह शासन के आधार पर बनी है। भारतीय जनता पार्टी भी सुशासन, पारदर्शिता और भ्रष्टाचार के विरुद्ध कार्रवाई को अपनी प्रमुख राजनीतिक प्रतिबद्धताओं में शामिल करती रही है। ऐसे में यदि किसी पुलिस मुठभेड़ पर व्यापक संदेह पैदा होता है तो उसका प्रभाव केवल पुलिस विभाग तक सीमित नहीं रहता बल्कि पूरी शासन व्यवस्था की साख पर पड़ता है। भारतीय संविधान प्रत्येक नागरिक को जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार देता है तथा यह सुनिश्चित करता है कि किसी भी व्यक्ति के अपराध का निर्धारण न्यायालय करेगा, पुलिस नहीं। यदि कोई व्यक्ति गंभीर अपराधों का आरोपी भी हो, तब भी उसे न्यायिक प्रक्रिया से गुजरने का अधिकार प्राप्त है। लोकतंत्र में पुलिस का दायित्व अपराधियों को कानून के समक्ष प्रस्तुत करना है, न कि स्वयं अभियोजन, न्यायाधीश और दंडाधिकारी की भूमिका निभाना। यही कारण है कि देश की सर्वोच्च अदालत भी विवादित पुलिस मुठभेड़ों की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच की आवश्यकता पर बार-बार बल देती रही है। भरत तिवारी प्रकरण में सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह नहीं है कि वह निर्दोष थे या दोषी। वास्तविक प्रश्न यह है कि क्या बिहार में कानून की प्रक्रिया पर जनता का भरोसा पहले जैसा बना हुआ है? यदि जनता को यह महसूस होने लगे कि न्यायिक प्रक्रिया के स्थान पर मुठभेड़ ही अंतिम रास्ता बनती जा रही है, तो लोकतंत्र की बुनियाद कमजोर होगी। कानून का शासन केवल अपराधियों को दंडित करने से नहीं, बल्कि न्यायिक प्रक्रिया की निष्पक्षता बनाए रखने से मजबूत होता है। राजनीतिक दृष्टि से भी यह मामला अत्यंत महत्वपूर्ण है। विपक्ष स्वाभाविक रूप से इसे सरकार की जवाबदेही से जोड़ेगा। वहीं, सरकार के पास यह अवसर भी है कि वह निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध जांच कराकर यह संदेश दे कि कानून से ऊपर कोई नहीं है।

आयुर्वेदिक शिक्षा का राष्ट्रीय केंद्र बने पपरोला

भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा में आयुर्वेद केवल रोगों के उपचार की पद्धति नहीं, बल्कि स्वस्थ, संतुलित और प्रकृति के अनुरूप जीवन जीने का समग्र विज्ञान है। हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के पपरोला स्थित राजीव गांधी राजकीय स्नातकोत्तर आयुर्वेदिक महाविद्यालय एवं चिकित्सालय इस राष्ट्रीय उद्देश्य को साकार करने की पूरी क्षमता रखता है। वर्तमान महाविद्यालय साल 1972 में हिम आयुर्वेदिक कॉलेज के नाम से एक प्राइवेट इंस्टीट्यूशन के तौर पर वैद जगन नाथ शर्मा की कोशिशों से हिमाचल प्रदेश की वैद हकीम परिषद की देखरेख में बना था। उस समय यह पंजाब फैकल्टी चंडीगढ़ से जुड़ा हुआ था। बाद में साल 1978 में 3 मार्च को इसे हिमाचल सरकार ने अपने हाथ में ले लिया। 1979 में हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय से संबद्धता मिलने के बाद इस आयुर्वेदिक संस्थान ने निरंतर विकास की यात्रा तय की है। इस आयुर्वेदिक स्नातकोत्तर महाविद्यालय से संबद्ध 215 बिस्तरों वाला शिक्षण अस्पताल इसकी सबसे बड़ी शक्ति है।

अनुज आचार्य

यहां काय चिकित्सा (आंतरिक चिकित्सा), शल्य तंत्र, शालाक्य तंत्र, कौमारभृत्य (बालरोग चिकित्सा), अगद तंत्र, रसायन तंत्र, वाजीकरण तंत्र, पंचकर्म, क्षारसूत्र, शल्य चिकित्सा, स्त्री एवं प्रसूति रोग, स्वस्थवृत्त, नेत्र एवं ईएनटी जैसी विशेषज्ञ सेवाएं उपलब्ध हैं। आधुनिक प्रयोगशालाएं, एक्स-रे, ईसीजी, ईईजी, ऑडियोमेट्री, ऑपरेशन थिएटर, लेबर रूम, आईसीटीसी और टीबी उपचार जैसी सुविधाएं भी संचालित हैं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार यहां प्रतिवर्ष लगभग एक लाख बीस हजार से ज्यादा बाह्य रोगियों (ओपीडी) तथा करीब तीस हजार से अधिक भर्ती रोगियों (आईपीडी) का उपचार किया जाता है। हर वर्ष लगभग तीन हजार शल्यक्रियाएं और करीब नौ सौ सुरक्षित प्रसव सम्पन्न होते हैं। इसी पृष्ठभूमि में पिछले कुछ वर्षों से इस संस्थान को राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान (एनआईए) के स्तर तक उन्नत करने की मांग लगातार उठ रही है। हाल ही में कांगड़ा-चंबा के सांसद डा. राजीव भारद्वाज ने भी लोकसभा में इसी मांग को प्रमुखता से उठाते हुए कहा कि हिमालयी क्षेत्र की औषधीय जैव विविधता और पपरोला स्थित संस्थान की शैक्षणिक उपलब्धियां इसे राष्ट्रीय महत्व के संस्थान के रूप में विकसित किए जाने का मजबूत आधार प्रदान करती हैं। पपरोला में शिक्षण अस्पताल, अनुभवी संकाय, शोध परंपरा, क्लिनिकल अनुभव और जनविश्वास पहले से मौजूद हैं। ऐसे में अपेक्षाकृत कम लागत और कम समय में इसे राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र बनाया जा सकता है। दूसरी ओर सरकार का दृष्टिकोण प्रदेश में आयुष सेवाओं के भौगोलिक विस्तार पर केंद्रित है, इसलिए वर्तमान सरकार ने इसी वर्ष हमीरपुर जिले के धनेटा (नादौन क्षेत्र) में एम्स की तर्ज पर अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान खोलने का प्रस्ताव केंद्र सरकार की मंजूरी के लिए भेजा है। लोकतंत्र में दोनों विचारों का सम्मान होना चाहिए, किंतु अंतिम निर्णय का आधार राजनीति नहीं बल्कि जनहित, संसाधनों का सर्वोत्तम उपयोग और दीर्घकालिक संस्थागत विकास होना चाहिए। संस्थान के पूर्व प्राध्यापक (प्रोफेसर) डा. संजीव शर्मा राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर के उपकुलपति पद पर सुशोभित हैं, तो वहीं प्रो. (डा.) वैद्य करतार सिंह धीमान (उपकुलपति) हरियाणा के श्री कृष्ण आयुष विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र जैसे राष्ट्रीय स्तर के आयुष संस्थानों का सफल नेतृत्व कर रहे हैं। यह उपलब्धियां इस संस्थान की अकादमिक गुणवत्ता और राष्ट्रीय प्रतिष्ठा का प्रमाण हैं। यदि पपरोला संस्थान को आधुनिक औषधीय अनुसंधान, जैव प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित औषधि

अनुसंधान, डिजिटल लाइब्रेरी, औषधीय पौधों के संरक्षण तथा अंतरराष्ट्रीय शोध संस्थानों के सहयोग से जोड़ा जाए, तो यह उत्तर भारत का अग्रणी आयुर्वेद शोध एवं नवाचार केंद्र बन सकता है। इससे स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। इस संस्थान की कुछ मांगें भी हैं, जिनमें ब्लड बैंक की स्थापना, अत्याधुनिक रेडियोलॉजी सुविधाओं का विस्तार, छात्रावासों का उन्नयन, शोध प्रयोगशालाओं का आधुनिकीकरण तथा जोगिंद्रनगर स्थित हर्बल गार्डन को राष्ट्रीय औषधीय अनुसंधान केंद्र के रूप में विकसित करना समय की आवश्यकता है। यदि यहां आयुर्वेद, पंचकर्म, योग, प्राकृतिक चिकित्सा और वेलनेस सेवाओं का समेकित केंद्र विकसित किया जाए, तो यह क्षेत्र स्वास्थ्य पर्यटन का भी प्रमुख गंतव्य बन सकता है। 31 जुलाई को आयुष, युवा सेवाएं और खेल मंत्री यादविंदर गोमा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई रोगी कल्याण समिति की बैठक में भविष्य में तामीरदारों से दस रुपए की पर्ची शुल्क लेने और पार्किंग शुल्क पचास रुपए लेने वाले निर्णयों का विरोध भी हो रहा है। हाल में ही भारतीय गुणवत्ता परिषद द्वारा किए गए आकलन में इस महाविद्यालय को ए ग्रेड के महाविद्यालयों की श्रेणी में रखा है। इस स्नातकोत्तर चिकित्सा संस्थान की कुछ मांगें भी हैं, जैसे रिक्त पड़े शिक्षकों, कार्यालय सहायक, नर्सों व अन्य पराचिकित्सा कर्मियों तथा अन्य कर्मचारियों के पदों को तत्काल प्रभाव से भरा जाए। सभागार/प्रेक्षा गृह के निर्माण कार्य को तेजी से पूरा किया जाए।

आयुर्वेद चिकित्सालय में नैदानिक सुविधाएं यथा अत्याधुनिक नैदानिक प्रयोगशाला, यूएसजी/सीटी स्कैन की सुविधा तथा उच्च गुणवत्ता की औषधियों की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित की जानी चाहिए। कई विभागों में उपकरणों के रखरखाव और समय पर उन्नयन का अभाव, अस्पताल, कक्षालयों और छात्रावासों का जीर्णोद्धार रंगाई पुताई, पार्किंग, चिकित्सकों के रोगी जांच कक्ष, प्रतीक्षालय, स्वच्छ शौचालय तथा डिजिटल प्रबंधन जैसी सुविधाओं में और सुधार की तत्काल आवश्यकता है। यह प्रसन्नता का विषय है कि इस संस्थान के वर्तमान प्रधानाचार्य प्रो. (वैद्य) डा. विजय सिंह चौधरी के दूरदर्शी नेतृत्व और प्राध्यापकों की उत्कृष्ट कार्यसंस्कृति ने इस संस्थान को आयुर्वेद शिक्षा एवं चिकित्सा का एक प्रतिष्ठित केंद्र बनाने में अपना अतुलनीय योगदान दिया है। यदि केंद्र और राज्य सरकार मिलकर दूरदर्शिता के साथ पपरोला संस्थान को राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के रूप में विकसित करने का निर्णय लेते हैं, तो यह केवल एक महाविद्यालय का उन्नयन नहीं होगा, बल्कि हिमाचल प्रदेश को आयुर्वेद शिक्षा, अनुसंधान, चिकित्सा और स्वास्थ्य पर्यटन के राष्ट्रीय मानचित्र पर नई पहचान दिलाने की ऐतिहासिक पहल सिद्ध होगी।

ढाका की राजनीति और भारत-बांग्लादेश संबंधों की नई परीक्षा

ललित गर्ग

लोकतंत्र में किसी भी राजनीतिक दल या नेता से असहमति स्वाभाविक है, किंतु असहमति का समाधान न्यायपूर्ण राजनीतिक प्रक्रिया और स्वतंत्र संस्थाओं के माध्यम से होना चाहिए। यदि किसी नेता की लोकप्रियता का उत्तर प्रतिबंध, दमन या भय के वातावरण से दिया जाए, तो लोकतंत्र की आत्मा कमजोर होती है। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना द्वारा दिसंबर 2026 में स्वदेश लौटने की घोषणा केवल एक राजनीतिक बयान नहीं है, बल्कि यह दक्षिण एशिया की बदलती भू-राजनीति, लोकतांत्रिक मूल्यों और भारत-बांग्लादेश संबंधों की दिशा तय करने वाला एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम बन गया है।

जिस समय बांग्लादेश की राजनीति सत्ता परिवर्तन, वैचारिक ध्रुवीकरण और संस्थागत अस्थिरता के दौर से गुजर रही है, उसी समय शेख हसीना ने यह घोषणा कर राजनीतिक विमर्श को एक नए मोड़ पर ला खड़ा किया है। उनका यह कहना कि 'गिरफ्तारी, जेल या मृत्यु का भय भी उन्हें अपने देश लौटने से नहीं रोक सकता', उनके समर्थकों के लिए भावनात्मक आह्वान है तो विरोधियों के लिए एक बड़ी राजनीतिक चुनौती। बांग्लादेश में पिछले वर्ष सत्ता परिवर्तन के बाद जो राजनीतिक वातावरण बना, उसमें लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता और राजनीतिक सहिष्णुता पर लगातार प्रश्न उठते रहे हैं। बांग्लादेश में अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण द्वारा शेख हसीना के विरुद्ध सुनाया गया फैसला और उसके बाद उनके समर्थकों पर बढ़ती कार्रवाइयों ने यह संकेत दिया कि राजनीतिक प्रतिस्पर्धा धीरे-धीरे प्रतिशोध की राजनीति में बदलती जा रही है। हाल ही में उनकी प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल रहे पूर्व क्रिकेट कप्तान साकिब अल हसन के घर पर हुआ हमला भी इस बात का संकेत है कि राजनीतिक असहमति अब सामाजिक तनाव का रूप लेने लगी है। दूसरी ओर, प्रधानमंत्री तारिक रहमान के एक करीबी सहयोगी द्वारा शेख हसीना को 'तुरंत लौटकर सामना करने' की चुनौती देना बताता है कि बांग्लादेश का राजनीतिक वातावरण अभी भी सामान्य नहीं हुआ है।

लोकतंत्र में किसी भी राजनीतिक दल या नेता से असहमति स्वाभाविक है, किंतु असहमति का समाधान न्यायपूर्ण राजनीतिक प्रक्रिया और स्वतंत्र संस्थाओं के माध्यम से होना चाहिए। यदि किसी नेता की लोकप्रियता का उत्तर प्रतिबंध, दमन या भय के वातावरण से दिया जाए, तो लोकतंत्र की आत्मा कमजोर होती है। शेख हसीना की वापसी को केवल एक व्यक्ति की वापसी के रूप में नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक प्रतिस्पर्धा की परीक्षा के रूप में देखा जाना चाहिए। यदि अवामी लीग को राजनीतिक प्रक्रिया से बाहर रखने की कोशिश होती है, तो यह बांग्लादेश के लोकतंत्र की विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाएगा। वास्तविकता यह भी है कि बांग्लादेश की राजनीति आज केवल अवामी लीग और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के बीच सत्ता संघर्ष तक सीमित नहीं रह गई है।

अब यह संघर्ष राष्ट्र की ऐतिहासिक पहचान, 1971 के मुक्ति संग्राम की विरासत और भविष्य की वैचारिक दिशा का भी बन चुका है। अवामी लीग स्वयं को मुक्ति संग्राम की मूल चेतना का प्रतिनिधि बताती है, जबकि बीएनपी भी अब उसी विरासत पर अपना दावा प्रस्तुत कर रही है। इतिहास की इस प्रतिस्पर्धी व्याख्या ने राजनीतिक ध्रुवीकरण को और गहरा किया है। ऐसी परिस्थितियों में शेख हसीना की वापसी केवल राजनीतिक समीकरण नहीं बदलेगी, बल्कि राष्ट्रीय विमर्श की दिशा भी प्रभावित करेगी।

पांगी नहीं जानता क्या होता है शूगर-बीपी

जैसे दक्षिणी यूरोप में फास्ट फूड के प्रसार से भूमध्य सागरीय आहार कमजोर पड़ा, वैसे ही पांगी घाटी का आहार भी उसी दबाव में, बल्कि उससे भी ज्यादा तेजी से गायब हो रहा है... कहते हैं मानव जीवन में खानपान का बहुत बड़ा महत्व होता है। यह सीधे हमारे शारीरिक स्वास्थ्य के अलावा मानसिक और सामाजिक विकास को प्रभावित करता है। सही और संतुलित आहार से हमें केवल ऊर्जा ही नहीं मिलती है, बल्कि रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती है और मनुष्य एक लंबा और स्वस्थ जीवन जी पाता है। हमारे खानपान में हमारी संस्कृति और परंपरा झलकती है।

डा. सुनील रैणा

दशकों से पोषण विज्ञान एक ही कहानी कहता आया है कि यदि आप लंबे और स्वस्थ जीवन के लिए भोजन से रास्ता बनाना चाहते हैं तो क्रेत स्थित जैतून के बागानों या दक्षिणी इटली के मछुआरे गांवों की ओर देखें। भूमध्यसागरीय आहार हृदय स्वास्थ्य का पर्याय बन चुका है। क्योंकि इसके पक्ष में वैज्ञानिक परीक्षणों के प्रमाण मौजूद हैं। इसी तरह हिमाचल प्रदेश की पांगी घाटी के ऊंचाई वाले ठंडे मरुस्थल में एक ऐसा खाद्य परंपरा आधारित ढांचा सदियों से चुपचाप अपनाया जा रहा है, जिसकी संरक्षण संबंधी तर्कशृंखला इससे बहुत मिलती-जुलती है। लेकिन अफसोस कि औषधीय पदार्थों से भरपूर खानपान का न कोई नामकरण हुआ, न ही इस पर कोई स्टडी हो पाई। लेकिन हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले की दुर्गम पांगी घाटी की यह अनूठी और समृद्ध खाद्य परंपरा अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान बना रही है। दरअसल यहां के पंगवाल और भोट समुदायों के पारंपरिक खानपान पर जर्नल ऑफ फेमिली मेडिसिन एंड प्राइमरी केयर में एक शोध प्रकाशित हुआ है। यह शोध बताता है कि पांगी के लोगों के आहार में शामिल मोटे अनाज जैसे कुट्ठू और जौ, याक के दुग्ध उत्पाद, पारंपरिक खाद्य जैसे छांग व चुरपा, हाई एंटीआक्सीडेंट वाले जंगली पौधे हृदय रोग, मधुमेह सहित कई गैर-संचारी रोगों के जोखिम को कम करने में सहायक हैं। पांगी के लोगों के शुद्ध, देसी और बिना मिलावटी भोजन में सोडियम-पोटेशियम का अनुपात बेहद संतुलित है जो लोगों को बीमारियों से दूर रखता है। यह पहली बार है जब भारतीय हिमालय के किसी समुदाय के पारंपरिक आहार को एक 'नामित सुरक्षात्मक आहार' के रूप में देखा और पहचाना गया है। वैज्ञानिकों ने इसका नामकरण 'पांगी वैली डाइट' के रूप में ही किया है। जर्नल ऑफ फैमिली मेडिसिन एंड प्राइमरी केयर में प्रकाशित हालिया समीक्षा उस चीज के पक्ष में तर्क देती है जिसे 'पांगी वैली डाइट' कहा जा सकता है।

यहां खेती और पशुपालन कर रहे पंगवाल और भोट समुदायों की पारंपरिक भोजन पद्धति तब से चली आ रही है जब तक 1990 के दशक के मध्य में सडक़ ने उन्हें देश के बाकी हिस्सों से नहीं जोड़ दिया था। उनका यह आहार किसी कॉफी टेबल मैग्जीन वाले निर्धारित 'डाइट प्लान' की तरह नहीं है और न ही इसे किसी ने डिजाइन किया। यह इसलिए उभरा क्योंकि साल के आधे हिस्से में भारी बर्फ घाटी को ढक लेती है, खेती का मौसम बेहद छोटा होता है और लंबे समय तक भोजन प्राप्त करने का और कोई स्रोत नहीं था। यह आहार पोषण विज्ञान ने नहीं, बल्कि जरूरत ने बनाया। हालांकि घाटी के दो समुदाय हिंदू पंगवाल और तिब्बती-मंगोलियाई विरासत वाले बौद्ध भोट का कई मामलों में खानपान अलग-अलग है, लेकिन कहते हैं न कि पारिस्थितियां धर्म के आधार पर भेद नहीं करतीं इसलिए ये दोनों ही उपलब्ध सीमित संसाधनों से अपना भोजन जुटाते हैं। घाटी के पारंपरिक व्यंजनों के एक आकलन में लगभग 80 अलग-अलग पकवान दर्ज किए गए। सबसे उल्लेखनीय तथ्य यह है कि लगभग आधी सामग्री जंगली बटोरी गई वनस्पतियों से आती थी, जबकि खरीदे या पैक्ड खाद्य पदार्थ लगभग नहीं के बराबर थे। यह अकेला आंकड़ा उस चीज को समेट देता है जिसे सार्वजनिक स्वास्थ्य संदेशों ने एक सदी तक योजनाबद्ध ढंग से हासिल करने की कोशिश की है। ऐसा समुदाय जो संपूर्ण स्थानीय भोजन खाता है इसलिए नहीं कि किसी डॉक्टर ने कहा है बल्कि इसलिए कि अन्य कोई विकल्प ही नहीं था। विचार करने वाली बात है कि इस मजबूरी ने क्या बनाया। एक तरफ कुट्ठू और जौ जैसे मुख्य अनाज थे, जो ग्लाइसेमिक इंडेक्स में कम और रेशे में समृद्ध हैं, दूसरी तरफ गेहूं और चावल थे, जो आज के अधिकतर भारतीय आहारों पर हावी हैं। जंगली रूप से बटोरी गई सामग्री में फर्न, बिच्छू-बूटी, जंगली लहसुन और सीबकथॉर्न शामिल हैं। यह एक ऐसा बेरी है जो एंटीऑक्सिडेंट्स से इतना समृद्ध है कि उसके लिए अलग औषधीय साहित्य मौजूद है।

पारंपरिक खाद्यान्न जो लंबे सर्दियों के महीनों में भोजन सुरक्षित रखने की आवश्यकता से पैदा हुआ, ने जौ को प्रोबायोटिक समृद्ध बीयर में और दूध को पनीर में बदल दिया। इससे आंतों के उन जीवाणुओं को बढ़ावा मिला जिनका संबंध अब रक्तचाप से लेकर शरीर में सूजन से बचाव तक से जोड़ा जा रहा है। और घाटी का मुख्य दुग्ध-आधार याक गाय संकर 'चौरी' का दूध ऐसे वसा प्रोफाइल के साथ आता है जिसमें ओमेगा-3 अधिक होते हैं और संयुग्मित लिनोलिक अम्ल भरपूर होता है।

औद्योगिक रूप से उत्पादित दूध से बहुत अलग है। इनमें से कोई भी तत्व अकेले असाधारण नहीं है। कुट्ठू कई व्यंजनों में खाया जाता है और किण्वित खाद्य पदार्थ हिमालय तक सीमित नहीं हैं। लेकिन महामारी विज्ञान की दृष्टि से इसे 'आहार' बनाने वाली चीज है। इन सबका संयोजन कम ग्लाइसेमिक भार, अधिक रेशा, घने फाइटोकेमिकल्स, लाभकारी वसा, सक्रिय प्रोबायोटिक्स और प्रसंस्कृत भोजन तथा अतिरिक्त नमक न के बराबर होता है। किसी व्यक्ति के आहार में सोडियम पोटाशियम अनुपात ब्लडप्रेशर का सबसे मजबूत जनसंख्या स्तरीय अनुपात संकेतकों में से एक है। लेकिन जो आहार कम नमक तथा पोटैशियम समृद्ध जंगली पौधों पर आधारित हो, वह बिना किसी प्रयास के इस अनुपात को सही दिशा में रख देता है। यहीं से यह कहानी चिंताजनक हो जाती है। जैसे दक्षिणी यूरोप में फास्ट फूड के प्रसार से भूमध्यसागरीय आहार कमजोर पड़ा, वैसे ही पांगी घाटी का आहार भी उसी दबाव में, बल्कि उससे तेजी से गायब हो रहा है। घाटी में कभी चपाती मक्का और चुकरी नामक जंगली पौधे की पत्तियों से बनती थी, अब वह बाहर से लाए गए गेहूं के आटे से बनती है। सोयाबीन और चावल जो पहले यहां नहीं थे, अब हर घर में मौजूद हैं।

QRF जवानों की सूझबूझ से टली बड़ी रेल दुर्घटना, ट्रैक पर फंसे ट्रक को धकेलकर हटाया

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश पुलिस के क्विक रिस्पांस फोर्स के जवानों की तत्परता और सूझबूझ से संभावित बड़ी रेल दुर्घटना टल गई दमोह के बांदकपुर में कानून-व्यवस्था ड्यूटी के लिए जा रही 10वीं वाहिनी विशेष सशस्त्र बल सागर की QRF कंपनी के 49 जवानों ने मकरोनिया-गुड़ा रेलवे फाटक पर रेलवे ट्रैक के बीच फंसे मालवाहक ट्रक को सुरक्षित दूरी तक पहुंचा दिया जानकारी के अनुसार QRF कंपनी बांदकपुर मंदिर में कानून-व्यवस्था ड्यूटी के लिए रवाना हुई थी इसी दौरान रेलवे फाटक पर माल से लदा ट्रक अचानक ट्रैक के बीच बंद हो गया। इसी बीच ट्रेन आने का संकेत भी हो गया जिससे स्थिति गंभीर हो गई ट्रक चालक घबरा गया और उसे तत्काल कुछ समझ नहीं आया परिस्थिति की गंभीरता को समझते हुए QRF जवानों ने बिना समय गंवाए मोर्चा संभाल लिया। माल से पूरी तरह लदे भारी ट्रक को हटाने के लिए जवानों ने एकजुट होकर धक्का लगाना शुरू किया सामूहिक प्रयास से ट्रक को रेलवे ट्रैक से हटाकर सुरक्षित दूरी पर पहुंचा दिया गया जवानों की त्वरित कार्रवाई से संभावित बड़ी दुर्घटना टल गई और किसी तरह की जनहानि नहीं हुई इस दौरान जवानों ने कानून-व्यवस्था ड्यूटी से आगे बढ़कर मानवीय संवेदना और सेवा भावना का परिचय दिया घटना के बाद ट्रक चालक ने QRF जवानों का आभार जताया अचानक आई परेशानी में मदद मिलने पर वह भावुक भी दिखाई दिया जवानों ने उसे ढांढस बंधाते हुए सुरक्षित रहने की बात कही मध्यप्रदेश पुलिस के जवानों की यह कार्रवाई उनकी कर्तव्यनिष्ठा, टीम भावना और जरूरत के समय नागरिकों की मदद करने की प्रतिबद्धता का उदाहरण बनी।

नशामुक्त युवा ही विकसित भारत की मजबूत नींव', PIB के वार्तालाप कार्यक्रम में मीडिया और प्रशासन ने दिखाई एकजुटता

PIB के वार्तालाप कार्यक्रम में कलेक्टर, मीडिया और युवाओं ने साझा किया नशामुक्त भारत का संकल्प; गांव-गांव तक पहुंचेगा जागरूकता अभियान

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। भारत सरकार के पत्र सूचना कार्यालय, रायपुर (PIB) द्वारा नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत-संकल्प अभियान के अंतर्गत वार्तालाप कार्यक्रम का आयोजन होटल हसदेव इन मनेन्द्रगढ़ में किया गया कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर रखने नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए जनभागीदारी बढ़ाने तथा मीडिया के माध्यम से नशामुक्ति के संदेश को ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों तक पहुंचाना रहा कार्यक्रम में PIB रायपुर के उपनिदेशक (मीडिया एवं संचार) रमेश जयभाये ने मुख्य अतिथि कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सु संतन देवी जांगड़े, भोपाल PIB निदेशक मनीष गौतम छत्तीसगढ़ बंधु पत्रिका के संपादक मधुकर द्विवेदी माय भारत जिला समन्वयक कोरिया सु चहल कैलाशिया, एमसीबी प्रेस क्लब अध्यक्ष रंजीत सिंह तथा पत्रकार संघ मनेन्द्रगढ़ के अध्यक्ष प्रवीण

ऋषि का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया कार्यक्रम में जिले के अन्य पत्रकार एवं मीडिया प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया इसके बाद छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति की मनमोहक प्रस्तुति के साथ कार्यक्रम आगे बढ़ा नाचा दल ने अरपा पैरी के धार, महानदी हे अपार, इंद्रावती हर पखारे तोर पांव' जैसे लोकप्रिय पारंपरिक गीत की प्रस्तुति दी। इसके पश्चात 'मोर संग चलव गा' छत्तीसगढ़ी गीत के साथ कार्यक्रम को आगे बढ़ाया गया। स्वागत गीत की प्रस्तुति के बाद नशा मुक्ति अभियान पर आधारित नाटक का मंचन किया गया जिसमें प्रभावी ढंग से दिखाया गया कि नशे की लत किस प्रकार एक व्यक्ति के साथ-साथ पूरे परिवार और समाज को प्रभावित कर सकती है तथा एक हंसते-खेलते परिवार को बिखरने की स्थिति तक पहुंच देती है मनीष गौतम ने बताया योजनाओं की जानकारी जन-जन तक पहुंचाने में मीडिया की भूमिका कार्यक्रम में भोपाल PIB के निदेशक मनीष गौतम ने मीडिया की भूमिका को रेखांकित करते

हुए कहा कि मीडिया देश का चौथा स्तंभ है और केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं नीतियों तथा विभिन्न जनजागरूकता अभियानों की जानकारी आम नागरिकों तक पहुंचाने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है उन्होंने कहा कि पत्र सूचना कार्यालय से संबंधित व्यवस्थाओं के एकीकरण का उद्देश्य सूचना तंत्र को अधिक प्रभावी व्यवस्थित और समन्वित बनाना है ताकि सरकार की योजनाओं एवं जनहितकारी कार्यक्रमों की जानकारी समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहजता से पहुंच सके उन्होंने कहा कि इससे छत्तीसगढ़ में भी केंद्र सरकार की योजनाओं के प्रचार-प्रसार को नई गति मिलेगी गौतम ने 'विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत स्वच्छ भारत मिशन प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि और प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में पात्र हितग्राहियों को योजनाओं की सही और समय पर जानकारी मिलना बेहद जरूरी है उन्होंने कहा कि जागरूक नागरिक ही उपलब्ध सरकारी योजनाओं का प्रभावी लाभ उठा सकता है नशामुक्ति अभियान को लेकर उन्होंने कहा कि नशा छोड़ो भारत जोड़ो अभियान को व्यापक स्तर पर संचालित किया जाएगा अंबिकापुर में भी इस दिशा में विशेष आयोजन किए जाएंगे ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं विद्यार्थियों और आम नागरिकों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराया जाएगा उन्होंने स्पष्ट किया कि नशामुक्ति केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं है बल्कि यह पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है मीडिया प्रशासन जनप्रतिनिधियों सामाजिक संगठनों और युवाओं की भागीदारी से इस अभियान को जन आंदोलन बनाया जा सकता है कार्यक्रम में माय भारत जिला समन्वयक कोरिया चहल कैलाशिया ने युवाओं को मेरा युवा भारतपोर्टल की उपयोगिता और इसकी गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

राष्ट्रीय राजमार्ग से स्ट्रीट लाइटें गायब, कांग्रेस ने पुलिस में दर्ज कराई शिकायत

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। राष्ट्रीय राजमार्ग पर लगी स्ट्रीट लाइटों के गायब होने का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मनेंद्रगढ़ शहर ने इसे सरकारी संपत्ति और आम लोगों की सुरक्षा से जुड़ा गंभीर मामला बताते हुए सिटी कोतवाली मनेंद्रगढ़ में शिकायत दर्ज कराई है कांग्रेस ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच गायब स्ट्रीट लाइटों की बरामदगी और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मनेंद्रगढ़ शहर के अध्यक्ष सौरव मिश्रा के नेतृत्व में कांग्रेस पदाधिकारियों ने पुलिस को ज्ञापन सौंपा। कांग्रेस नेताओं के अनुसार बैकुंठपुर से मनेंद्रगढ़ की ओर आने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग पर डिवाइडर की शुरुआत से लेकर नगर पालिका परिषद मनेंद्रगढ़ की सीमा तक कई स्ट्रीट लाइटें गायब हैं। लाइटें नहीं होने के कारण रात में सड़क का बड़ा हिस्सा अंधेरे में रहता है जिससे वाहन चालकों और राहगीरों की सुरक्षा प्रभावित हो रही है।

20 फीट ऊंचाई पर लगी लाइटें कैसे हुईं गायब: सौरव मिश्रा ने सवाल उठाते हुए कहा कि 20 फीट से अधिक ऊंचाई पर लगी स्ट्रीट लाइटें आखिर कैसे गायब हो गईं उन्होंने कहा कि इतनी ऊंचाई पर लगी लाइटों को हटाने के लिए लिफ्टर या बकेट वाहन जैसे विशेष उपकरणों की आवश्यकता होती है उन्होंने पुलिस और संबंधित विभाग से क्षेत्र में ऐसे वाहनों के संचालन की जानकारी जुटाकर जांच करने की मांग की है दुर्घटनाओं का बढ़ सकता है खतरा कांग्रेस नेता व्यंकटेश सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग जैसे महत्वपूर्ण मार्ग पर पर्याप्त रोशनी नहीं होने से वाहन चालकों को परेशानी होती है। इससे रात के समय दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ सकता है कांग्रेस महामंत्री स्नेहिल शुक्ला ने कहा कि बड़ी संख्या में सरकारी स्ट्रीट लाइटों का गायब होना सामान्य घटना नहीं है उन्होंने जिम्मेदार लोगों की पहचान कर जवाबदेही तय करने की मांग की कांग्रेस ने गायब लाइटों की जांच कर उन्हें जल्द दोबारा स्थापित करने तथा सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने या चोरी करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की मांग की है।

महुअर नदी में आया उफान, सोलर पंप क्षतिग्रस्त, मूंगफली की फसल बही शाजापुर में बाढ़ जैसे हालात

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के पिछोर क्षेत्र में रातभर हुई भारी बारिश के बाद महुअर नदी अचानक उफान पर आ गई नदी का जलस्तर बढ़ने से शाजापुर सहित आसपास के गांवों में बाढ़ जैसे हालात बन गए तेज बहाव की चपेट में आने से शाजापुर गांव में किसान का सोलर पंप क्षतिग्रस्त हो गया वहीं कई किसानों के खेतों में खड़ी मूंगफली की फसल भी पानी के तेज बहाव में बह गई। आसपास के गांवों में बिजली के खंभे उखड़ने से बिजली सप्लाई भी प्रभावित हुई है।

पांच फीट पानी में डूबा सोलर पंप: किसान हनुमत सिंह लोधी ने बताया कि नदी से करीब 400 फीट दूर उनका सोलर पंप लगा हुआ था नदी में अचानक पानी बढ़ने के बाद सोलर स्ट्रक्चर

के ऊपर करीब पांच फीट पानी बहने लगा। पानी के साथ बहकर आई बड़ी-बड़ी लकड़ियां स्ट्रक्चर में फंस गईं जिससे सोलर पैनल और स्ट्रक्चर को नुकसान पहुंचा किसान के मुताबिक मुख्य पोल करीब पांच फीट गहरे गड्ढे में लगा होने के कारण पूरी तरह उखड़ने से बच गया उन्होंने बताया कि सोलर पंप उन्हें प्रधानमंत्री कृषक सूर्य मित्र योजना के तहत मिला था अब उन्हें कंपनी और बीमा के माध्यम से नुकसान की भरपाई होने की उम्मीद है।

खेतों में घुसा पानी, मूंगफली की फसल बही: महुअर नदी का जलस्तर बढ़ने से शाजापुर गांव के कई किसानों के खेतों में पानी घुस गया तेज बहाव के कारण खेतों में खड़ी मूंगफली की फसल बह गई इससे किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने महुअर नदी को इससे पहले इतनी भयावह स्थिति में नहीं देखा।

स्कूल में पानी भरने का खतरा: गुरुकुदवाया गांव में भी नदी के उफान को लेकर ग्रामीणों में चिंता है ग्रामीणों के अनुसार नदी में अचानक पानी बढ़ने पर गांव के घरों के साथ स्कूल भी डूब क्षेत्र की चपेट में आ जाता है उन्होंने आशंका जताई कि स्कूल समय में अचानक नदी का जलस्तर बढ़ा तो बच्चे स्कूल में फंस सकते हैं ग्रामीणों ने नदी क्षेत्र में सुरक्षा दीवार स्कूल तक सुरक्षित रास्ता और पुलिया निर्माण की मांग की है बारिश के बीच बिजली के खंभे उखड़ने से कई क्षेत्रों में बिजली सप्लाई प्रभावित हुई है नदी के उफान ने किसानों की फसलों के साथ बिजली और आवागमन से जुड़ी परेशानियां भी बढ़ा दी हैं।

बिलासपुर में 9 से 17 अगस्त तक चलेगा हर घर तिरंगा अभियान

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बिलासपुर जिले में हर घर तिरंगा और वंदे मातरम अभियान के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे कलेक्टर संजय अग्रवाल*ने अधिकारियों को तैयारियों की जिम्मेदारी सौंपी है। राज्य शासन के संस्कृति विभाग के निर्देशानुसार वंदे मातरम कार्यक्रम 7 से 15 अगस्त, जबकि हर घर तिरंगा अभियान 9 से 17 अगस्त तक चलेगा अभियान के तहत तिरंगा यात्राएं, रैलियां साइकिल-बाइक-कार रैली तिरंगा दौड़ और मैराथन आयोजित होंगे तिरंगा कॉन्सर्ट, तिरंगा सेल्फी तिरंगा प्रतिज्ञा और तिरंगा सम्मान जैसी गतिविधियां भी होंगी स्वतंत्रता सेनानियों और वीरों के परिवारों को सम्मानित किया जाएगा स्कूल-कॉलेजों में देशभक्ति गीत भाषण संगोष्ठी और सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। 14 अगस्त को वंदे मातरम् आधारित प्रदर्शनी और पुलिस बैंड की प्रस्तुति होगी 15 अगस्त को ध्वजारोहण के बाद सामूहिक रूप से राष्ट्रगीत और वंदे मातरम् का गायन किया जाएगा प्रशासन ने नागरिकों से घरों पर तिरंगा फहराकर अभियान में सहभागी बनने की अपील की है।

भाजपा मंडल बैठक में सोशल मीडिया पर जोर, विधायक बोले- मंडल अध्यक्ष के 25 हजार फॉलोअर्स जरूरी

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के कोलारस विधानसभा क्षेत्र के ग्राम टामकी में भाजपा मंडल की मासिक बैठक आयोजित की गई बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों के साथ आगामी कार्यक्रमों की तैयारियों पर चर्चा हुई लेकिन विधायक महेंद्र यादव का सोशल मीडिया को लेकर दिया गया बयान चर्चा का विषय बन गया विधायक महेंद्र यादव ने कार्यकर्ताओं से कहा कि वर्तमान दौर फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप का है। ऐसे में भाजपा के बूथ अध्यक्ष से लेकर मंडल अध्यक्ष तक सभी पदाधिकारियों का सोशल मीडिया पर सक्रिय रहना जरूरी है उन्होंने कहा कि संगठन के पदाधिकारियों को जनता के बीच सक्रिय रहने के साथ-साथ डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी अपनी उपस्थिति मजबूत करनी चाहिए।

मंडल अध्यक्ष के 25 हजार फॉलोअर्स का लक्ष्य: विधायक ने कहा कि मंडल अध्यक्ष के सोशल मीडिया पर कम से कम 25 हजार फॉलोअर्स होने चाहिए उन्होंने बूथ अध्यक्ष के लिए कम से कम एक हजार, शक्ति केंद्र के लिए पांच हजार और मंडल अध्यक्ष के लिए 25 हजार फॉलोअर्स का लक्ष्य बताया उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के सोशल मीडिया पर करोड़ों फॉलोअर्स हैं इसी तरह संगठन के बूथ शक्ति केंद्र और मंडल स्तर के पदाधिकारियों की भी सोशल मीडिया पर मजबूत पहुंच होनी चाहिए ताकि सरकार और संगठन की गतिविधियों की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाई जा सके।

अगली बैठक में होगी फॉलोअर्स की समीक्षा: विधायक महेंद्र यादव ने सभी बूथ अध्यक्षों के सोशल मीडिया फॉलोअर्स की सूची तैयार करने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि अगली बैठक में प्रत्येक पदाधिकारी के फॉलोअर्स की संख्या की समीक्षा की जाएगी साथ ही यह भी देखा जाएगा कि पिछली बैठक के बाद संबंधित पदाधिकारी के फॉलोअर्स कितने बढ़े हैं।

हर घर तिरंगा और जयंती कार्यक्रमों पर चर्चा: बैठक में आगामी स्वतंत्रता दिवस के तहत हर घर तिरंगा अभियान और संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की तैयारियों पर भी चर्चा की गई विधायक ने कहा कि बूथ अध्यक्षों की जिम्मेदारी केवल संगठनात्मक गतिविधियों तक सीमित नहीं है सरकार और संगठन के कार्यों की जानकारी जनता तक पहुंचाना तथा लोगों की समस्याओं को संगठन और सरकार तक पहुंचाना भी कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है भाजपा की इस बैठक में सोशल मीडिया फॉलोअर्स को लेकर दिए गए लक्ष्य को संगठन के जमीनी नेटवर्क के साथ डिजिटल पहुंच मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तौर पर देखा जा रहा है।

गुना में 6 दिन में बड़ी चोरी का खुलासा, 1.47 करोड़ के सोने के जेवर बरामद

मीडिया ऑडीटर,भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश पुलिस की संपत्ति संबंधी अपराधों के खिलाफ चल रही कार्रवाई के तहत गुना पुलिस ने फतेहगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम चक चुरेला में हुई बड़ी चोरी का महज छह दिनों में खुलासा किया है। पुलिस ने मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से करीब 1 करोड़ 47 लाख रुपए से अधिक कीमत के सोने के आभूषणबरामद किए हैं। मामले में शामिल अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की विशेष टीमें लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं जानकारी के अनुसार 2-3 अगस्त की मध्यरात्रि चक चुरेला निवासी बाबूलाल मीना के घर से अज्ञात बदमाश तिजोरी और मोटरसाइकिल चोरी कर ले गए थे तिजोरी में करीब 2 से 2.5 किलोग्राम सोने के आभूषण, लगभग 3 किलोग्राम चांदी के जेवर और 11.50 लाख रुपए नकद रखे थे। घटना की सूचना मिलने के बाद थाना फतेहगढ़ में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई ससस सीसीटीवी नहीं था, फिर भी तकनीकी जांच से मिली सफलता घटनास्थल पर सीसीटीवी कैमरे उपलब्ध नहीं होने के बावजूद पुलिस ने वैज्ञानिक और तकनीकी जांच का सहारा लिया। फिंगर प्रिंट विशेषज्ञों, डॉग स्क्वाड, तकनीकी साक्ष्यों, मुखबिर तंत्र और लगातार फील्ड ऑपरेशन के जरिए पुलिस ने आरोपियों तक पहुंचने में सफलता हासिल की पुलिस टीमों ने मध्यप्रदेश और राजस्थान के विभिन्न जिलों में समन्वित अभियान चलाया 8 अगस्त को दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया पूछताछ में आरोपियों ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर चोरी की वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया। पुलिस के अनुसार आरोपियों की निशानदेही पर करीब 1 करोड़ 48 लाख रुपए कीमत के सोने के आभूषण बरामद किए गए हैं पुलिस अब चोरी में शामिल अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी और शेष चोरी गई संपत्ति की बरामदगी के लिए कार्रवाई कर रही है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक हितिका वासल के नेतृत्व में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रशांत सिंह सुमन, एसडीओपी विवेक अष्ठाना और पुलिस टीमों द्वारा की गई पुलिस के अनुसार आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक अनुसंधान, मजबूत मुखबिर तंत्र और समन्वित पुलिसिंग के माध्यम से संपत्ति संबंधी अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण की दिशा में लगातार कार्रवाई की जा रही है। इस मामले का छह दिनों में खुलासा पुलिस की त्वरित जांच और टीमवर्क का परिणाम माना जा रहा है।

स्वच्छ एवं हरित विद्यालय मूल्यांकन में तवानगर का आदर्श आवासीय विद्यालय टॉप-20 में शामिल

मीडिया ऑडीटर,नर्मदापुरम (निप्र)। लोक शिक्षण संचालनालय ने 'स्वच्छ एवं हरित विद्यालय मूल्यांकन 2025-26 के तहत प्रदेश के उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 20 स्कूलों की सूची जारी की है। इसमें नर्मदापुरम जिले के तवानगर स्थित शासकीय हायर सेकंडरी मॉडल स्कूल (आदर्श आवासीय विद्यालय) को भी स्थान मिला है। स्कूल के संस्था प्रमुखों को स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त के अवसर पर सम्मानित किया जाएगा विद्यालय का चयन परिसर में स्वच्छता बनाए रखने, पर्यावरण संरक्षण और हरित परिसर विकसित करने के लिए किए गए कार्यों के आधार पर हुआ है। करीब 10 एकड़ में फैले इस आवासीय विद्यालय का पूरा कैंपस कवर्ड है। यहां अलग-अलग शहरों और जिलों से आए 245 विद्यार्थी छात्रावास में रहकर पढ़ाई करते हैं विद्यालय में कक्षाओं गलियारों शौचालयों और खेल मैदान की नियमित सफाई की जाती है। परिसर में सूखे और गीले कचरे को अलग-अलग एकत्र करने की व्यवस्था की गई है विद्यार्थी और स्कूल स्टाफ कचरा निर्धारित कूड़ेदान में डालते हैं जिससे परिसर में स्वच्छता बनी रहती है स्कूल परिसर में पौधारोपण के साथ उनके संरक्षण और नियमित देखरेख पर भी विशेष ध्यान दिया गया। पौधों की देखभाल के चलते विद्यालय परिसर आज हरा-भरा नजर आता है विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए भी लगातार गतिविधियां की जाती हैं व्यक्तिगत स्वच्छता पर भी जोरविद्यार्थियों को स्वच्छता के महत्व और व्यक्तिगत साफ-सफाई के प्रति नियमित रूप से जागरूक किया जाता है स्वच्छ आदतों को दिनचर्या में शामिल करने के प्रयासों से विद्यार्थियों में स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी की भावना बढ़ी है स्टाफ और विद्यार्थियों के प्रयासों को मिली सफलता जनजातीय कार्य विभाग के सहायक आयुक्त विवेक नागवंशी ने कहा कि मॉडल स्कूल का प्रदेश के टॉप-20 स्वच्छ विद्यालयों में शामिल होना विभाग के लिए गर्व की बात है उन्होंने बताया कि इस उपलब्धि में पूर्व प्राचार्य एवं वर्तमान संभागीय उपायुक्त सिद्धार्थ मित्रा, प्रभारी प्राचार्य दीपक सोनी, राम बाबू, जिला शिक्षा केंद्र के इंजीनियर दीपक वर्मा बीएससी नरेश अहिरवार प्रवीण यादव संस्था अधीक्षक भूपेंद्र साहू और विद्यालय के सभी विद्यार्थियों का सहयोग रहा चयनित विद्यालयों में शाजापुर, बैतूल, सीहोर, उज्जैन, देवास, रायसेन, डिंडोरी, मुरैना, छिंदवाड़ा, भिंड, जबलपुर, नर्मदापुरम, कटनी, अनूपपुर, बालाघाट, शिवपुरी, रतलाम, इंदौर और भोपाल के स्कूल शामिल हैं।

बाल अपचारियों ने होमगार्ड को पीटा, सिर पर मारा

रतलाम में गला दबाने की कोशिश की, रेलवे ट्रैक होकर भाग रहे थे, 6 पकड़ाए

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम के बिरियाखेड़ी स्थित शासकीय बाल सुधार गृह से शनिवार रात 7 बाल अपचारी होमगार्ड से मारपीट कर भाग गए। रात भर तलाश के बाद पुलिस ने 6 बाल अपचारियों को रतलाम से 15 किमी दूर पकड़ लिया। एक अब भी फरार है।

सुबह एसपी अमित कुमार, एएसएपी राकेश पंद्रो, स्छरू तरुण जैन मौके पर पहुंचे। सभी बाल अपचारी 15, 16 और 17 साल के हैं। इन पर गंभीर अपराध दर्ज हैं। 2 पर मादक पदार्थों की तस्करी, 2 के खिलाफ दुष्कर्म, 1 के खिलाफ रंगदारी, 1 पर हत्या और 1 पर हत्या के प्रयास का केस दर्ज है।

प्लानिंग कर घेरा बनाया, गार्ड पर टूट पड़े: बताया जा रहा है कि होम गार्ड सैनिक सुधार गृह के चैनल गेट के पास चादर ओढ़कर सोया था। इसी दौरान सात बाल अपचारियों ने प्लानिंग कर घेरा बनाया और उस पर टूट पड़े। एक के हाथ में डंडा था।

पहले डंडे से मारा, इसके बाद सभी बाल अपचारी उस पर टूट पड़े। कपड़े से सैनिक का गला दबाने की कोशिश भी की। पेंट की जेब से मेन शटर गेट की चाबी निकालकर चैनल गेट का ताला खोला और बाहर वाले मुख्य द्वार से होकर भाग निकले। बाल अपचारियों ने चौकीदार के कमरे के चैनल गेट की कुंडी भी लगा दी थी।

टीम बनाकर सभी थानों को अलर्ट किया: थाना औद्योगिक प्रभारी गायत्री सोनी ने बताया कि हमें रात 3 बजे सूचना मिली। उसके बाद टीम बनाकर सभी थानों को भी अलर्ट किया। रात को सीसीटीवी फुटेज में फोटो के आधार पर तलाश करते हुए पुलिस ने नामली के पास 6 बाल अपचारियों को कस्टडी में लिया है। जिस होमगार्ड सैनिक के साथ मारपीट कर भागे, उसका नाम चंद्रकांत (55) पिता जानकी बल्लभ शर्मा है। होमगार्ड को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया

सुरक्षा को और भी पुख्ता किया जाएगा

एसपी अमित कुमार ने कहा- एफआईआर रजिस्टर की जा रही है। सुधार गृह में और ज्यादा सुरक्षा के निर्देश दिए हैं, ताकि ऐसा दोबारा नहीं हो। एक बाल अपचारी जो अभी भी मिसिंग है, उसकी सुरक्षा हमारे लिए जरूरी है, उसे ढूंढने की कोशिश कर रहे हैं।

वर्तमान में बाल सुधार गृह में 22 बच्चे

वर्तमान में बाल सुधार गृह में 22 अपचारी बालक हैं। यहां दो सैनिकों की ड्यूटी रहती है। एक सैनिक बाहर और एक अंदर रहता है।

रतलाम, मंदसौर, नीमच के बाल अपचारी

बाल सुधार गृह से भागने वालों में 4 रतलाम, 2 मंदसौर और 1 नीमच का बाल अपचारी है। जो बाल अपचारी अभी फरार है, वह करीब दो से ढाई माह पहले बाल सुधार गृह आया था। उसके खिलाफ शहर के अलग-अलग थानों में मारपीट के 4-5 केस दर्ज हैं। वह आदतन अपराधी है।

दिल्ली-मुंबई रेलवे ट्रैक से मंदसौर की ओर भागे

बाल सुधार गृह से कुछ दूरी पर दिल्ली-मुंबई रेलवे ट्रैक गुजरता है। बाल अपचारी इसी ट्रैक के सहारे मंदसौर की तरफ भागे थे। नामली के पास रेलवे ट्रैक पर उन्हें पकड़ लिया गया। बताया जा रहा है कि रात में नामली थाने की डायरेक्ट 112 को सूचना मिली थी कि क्षेत्र में कुछ लड़के संदिग्ध दिखाई दिए हैं। इसके बाद 112 डायल के आरक्षक भगवान सिंह और पायलट मौके पर पहुंचे। आसपास के क्षेत्र में 6 लड़के दिखाई दिए, जिन्हें पकड़ लिया गया।

112 की तत्काल सेवा रातभर बनी तमाशबीन! 64 साल के बुजुर्ग पर हमला, पुलिस बोली रोड तक लाओ तब आएंगे

मीडिया ऑडीटर,रीवा (निप्र)। पुलिस की 112 सेवा को आम आदमी की आपातकालीन सुरक्षा का सबसे बड़ा सहारा माना जाता है लेकिन मनगवां थाना अंतर्गत मनिकवार चौकी क्षेत्र के ग्राम देवतहा से सामने आया मामला इस व्यवस्था की जमीनी हकीकत पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है आरोप है कि एक 64 वर्षीय वृद्ध को रात में घर में अकेला पाकर उसके साथ मारपीट की गई और कीमती सामान लूटने की कथित मंशा से उसे घंटों परेशान किया गया वृद्ध मदद के लिए पुलिस से गुहार लगाता रहा लेकिन आरोप है कि पुलिस मौके पर पहुंचने के बजाय उसे ही आरोपी को सड़क तक लाने की बात कहती रही मामले में फरियादी रामलखन शर्मा पिता स्व. हनुमान प्रसाद द्विवेदी उम्र 64 वर्ष निवासी ग्राम देवतहा ने अपने बेटे के साथ थाने पहुंचकर घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई दस्तावेज में दर्ज शिकायत के मुताबिक घटना 8 अगस्त 2026 की रात करीब 2 बजे की बताई गई है गाली-गलौज की आवाज सुनकर बाहर निकले वृद्ध फिर शुरू हुआ कथित हमला शिकायत के अनुसार रात में रकेश द्विवेदी कथित रूप से गाली-गलौज कर रहा आवाज सुनकर वृद्ध रामलखन शर्मा घर से बाहर निकले पीड़ित पक्ष का आरोप है कि इसके बाद विवाद बढ़ गया और रकेश ने वृद्ध के साथ मारपीट शुरू कर दी तथा दांत से काटकर घायल कर दिया पीड़ित पक्ष की ओर से यह भी आरोप लगाया गया है कि वृद्ध को घर में अकेला पाकर उसके साथ मारपीट करने के पीछे कीमती सामान हासिल करने या लूटने की कथित मंशा थी हालांकि इस आरोप की स्वतंत्र पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी नशे में आरोपी का कथित तांडव, सुबह तक संघर्ष करता रहा वृद्ध पीड़ित पक्ष का आरोप है कि आरोपी शराब के नशे में था और रातभर वृद्ध के साथ मारपीट तथा विवाद करता रहा। 64 वर्षीय वृद्ध ने अपनी सुरक्षा के लिए पुलिस की मदद मांगी, लेकिन आरोप है कि तत्काल पुलिस सहायता नहीं मिली। एक बुजुर्ग व्यक्ति वह भी रात के समय कथित हमलावर के सामने अकेला संघर्ष करता रहा-यह स्थिति अपने आप में पुलिस की आपातकालीन व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है।

सागर में लंबे ब्रेक के बाद मानसून सक्रिय

देवरी में 2 इंच बारिश, जिले में अब तक सामान्य बारिश की सिर्फ 33.8% पूर्ति

मीडिया ऑडीटर, सागर(निप्र)। सागर जिले में एक बार फिर मानसूनी एक्टिविटी शुरू हुई है। बादल छाने के साथ ही जिले के अलग-अलग हिस्सों में बारिश का दौर जारी है। शनिवार शाम से सागर समेत ग्रामीण इलाकों में रुक-रुककर बारिश हो रही है। लंबे ब्रेक के बाद हुई बारिश से किसानों के चेहरों पर चमक लौटी है। इस बारिश से पीली पड़ रही फसलों को फायदा होगा। रविवार सुबह से आसमान में काले-घने बादल छाए रहे। बादलो के बीच बारिश हुई। बारिश होने से लोगों को उमसभरी गर्मी से थोड़ी राहत मिली है। दिन और रात के तापमान में गिरावट आई है। इस समय सागर का अधिकतम तापमान 29 डिग्री और न्यूनतम पारा 22 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया है।

तेज बारिश होने की संभावना: मौसम विभाग के अनुसार, मध्यप्रदेश के ऊपर से ट्रफ लाइन गुजर रही है। इसके अलावा पश्चिम बंगाल और आसपास के राज्यों में बने साइक्लोनिक सर्कुलेशन के असर से लो प्रेशर एरिया बन गया है जो आने वाले दिनों में और मजबूत होगा। इसके प्रभाव से मध्यप्रदेश के कई जिलों में आगामी दिनों में तेज बारिश होने की संभावना बनी हुई है। जिले में आगामी 24 घंटे में कुछ स्थानों पर बारिश हो सकती है।

देवरी में 2 इंच और खुरई में हुई एक इंच बारिश: जिले में पिछले 24 घंटों में देवरी में 2 इंच और खुरई, रहली, मालथौन, राहतगढ़ में एक-एक इंच पानी गिरा। इसके अलावा सागर, जैसीनगर, बीना, बंडा, गढ़ाकोटा, केसली में भी बारिश हुई। बारिश के इस सीजन में जिले में अब तक 416 मिमी यानी 16.4 इंच औसत बारिश हो चुकी है। जबकि पिछले से 9 अगस्त तक 31 इंच औसत बारिश हो चुकी थी।

सीहोर में होटल में आधी रात आग लगी, फायर ब्रिगेड ने समय रहते काबू पाया, एक लाख रुपए का सामान जला

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले के सराय इलाके में स्थित होटल नाज में शनिवार देर रात अचानक आग लग गई। यह घटना रात करीब 2 बजे की बताई जा रही है, जब आसपास के लोग सो रहे थे। आग की लपटें और धुआं उठता देख इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। जानकारी के अनुसार, होटल के मालिक जावेद खान हैं। रात के समय होटल से अचानक धुएं का गुबार निकलने लगा, जो देखते ही देखते आग की लपटों में बदल गया। आग लगने की खबर से आसपास अफरा-तफरी मच गई। फायर ड्राइवर आरिफ खान और फायरमैन कमरुद्दीन अपनी टीम के साथ तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे। दोनों कर्मचारियों ने बिना समय गंवाए कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया। इससे एक बड़ा हादसा टल गया और आग को आसपास की दुकानों व इमारतों तक फैलने से रोका जा सका। हालांकि, आग लगने से होटल का काफी सामान जलकर खाक हो गया। होटल मालिक के अनुसार, हादसे में लगभग 1 लाख रुपए के नुकसान का अनुमान है।

नर्मदापुरम में सुबह से बारिश का दौर

11 अगस्त तक गरज-चमक के साथ बौछारों का अलर्ट, 40 किमी की रफ्तार से चलेंगी हवाएं

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम जिले में रविवार सुबह से मौसम का मिजाज बदला हुआ है। आसमान में काले बादल छाए रहे और सुबह करीब 9:30 बजे से बारिश का दौर शुरू हो गया। करीब 10:45 बजे तक बारिश जारी रही।

इसके बाद भी जिले के कई हिस्सों में कहीं तेज तो कहीं धीमी बारिश का दौर बना हुआ है। इटारसी, माखननगर, पिपरिया और पचमढ़ी समेत ग्रामीण क्षेत्रों में भी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों यानी 11 अगस्त तक जिले में कहीं-कहीं गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना जताई है। साथ ही वज्रपात और तेज हवाओं को लेकर भी चेतावनी जारी की गई है।

सुबह से बदला मौसम का मिजाज: रविवार सुबह से ही नर्मदापुरम में आसमान में घने और काले बादल छाए हुए थे। इसके बाद सुबह करीब 9:30 बजे बारिश शुरू हो गई।

शहर के साथ जिले के अलग-अलग क्षेत्रों में भी बारिश हुई। इटारसी, माखननगर, पिपरिया और पचमढ़ी के अलावा ग्रामीण अंचलों में भी बारिश का असर देखने को मिला। कहीं तेज तो कहीं धीमी बारिश होने से मौसम में ठंडक घुल गई है।

11 अगस्त तक बारिश की संभावना: मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार जिले में अगले तीन दिनों तक मौसम पूरी तरह साफ रहने की संभावना नहीं है। 11 अगस्त तक जिले के कुछ स्थानों पर गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश और बौछारें पड़ सकती हैं। स्थानीय मौसम प्रणाली के असर से बारिश का दौर अलग-अलग क्षेत्रों में जारी रहने की संभावना है।

वज्रपात और तेज हवाओं का अलर्ट: बारिश के साथ मौसम विभाग ने जिले में वज्रपात यानी आकाशीय बिजली को लेकर भी चेतावनी जारी की है। इसके अलावा 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से झोंकेदार हवाएं चलने की संभावना है। ऐसे में खराब मौसम के दौरान लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। खुले स्थानों और खेतों में काम करने वाले लोगों को विशेष सतर्कता बरतने की जरूरत है।

खंडवा में ब्रजवासी घी पर फूड सेफ्टी की कार्रवाई, 153 लीटर स्टॉक जब्त, मिलावट की आशंका में सैंपल लैब भेजे

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। गुजरात से खंडवा और आसपास के जिलों में सप्लाई हो रहे ब्रजवासी ब्रांड के घी को लेकर फूड सेफ्टी विभाग ने कार्रवाई की है। विभाग की टीम ने शहर के इंडस्ट्रियल एरिया स्थित एक एजेंसी फर्म से 153 लीटर घी जब्त किया है। घी में मिलावट की आशंका के चलते इसके सैंपल लिए गए हैं और जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं। अधिकारियों का कहना है कि घी की पैकेजिंग और बाजार में इसकी कीमत को देखते हुए इसके मिलावटी होने की आशंका बनी है।

डॉली एरोमेटिक प्रतिष्ठान से जब्त हुआ घी: फूड सेफ्टी इंस्पेक्टर राधेश्याम गोले ने बताया कि खाद्य पदार्थों की जांच के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत शनिवार देर शाम शहर के इंडस्ट्रियल एरिया स्थित डॉली एरोमेटिक प्रतिष्ठान पर कार्रवाई की गई।

फर्म के यहां से ब्रजवासी ब्रांड के घी के सैंपल लिए गए और मौके पर मौजूद 153 लीटर स्टॉक को जब्ती में लिया गया।

अधिकारी के मुताबिक, यह कार्रवाई घी में मिलावट की आशंका को देखते हुए की गई है। अब प्रयोगशाला जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि घी निर्धारित खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुरूप है या नहीं।

400-500 रुपए किलो में बिक रहा था घी: फूड सेफ्टी विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, ब्रजवासी घी को फर्म की ओर से शुद्ध देशी घी बताया गया है। हालांकि, इसकी बाजार कीमत को लेकर विभाग ने संदेह जताया है। अधिकारियों का कहना है कि देशी घी की लागत ही करीब 1,000 रुपए प्रति किलो तक पहुंचती है, जबकि संबंधित ब्रांड का घी बाजार में करीब 400 से 500 रुपए किलो की कीमत में बिक रहा था।

कीमत में इस अंतर के अलावा पैकेजिंग को लेकर भी अधिकारियों ने सवाल उठाए हैं। इन्हीं आधारों पर घी के स्टॉक को जब्त कर सैंपल जांच के लिए भेजे गए हैं।

गुजरात में होती है ब्रजवासी घी की मैन्युफैक्चरिंग: फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट के मुताबिक, ब्रजवासी घी का निर्माण गुजरात की वेरोना प्रोडक्ट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया जाता है। खंडवा में कारोबारी अनिल सबनानी की फर्म डॉली एरोमेटिक प्रतिष्ठान के माध्यम से इसकी सप्लाई खंडवा और आसपास के जिलों में की जाती है।

पिछले महीने मोबाइल लैब में संदिग्ध मिले थे सैंपल

अधिकारियों के अनुसार, विभाग ने पिछले महीने भी ब्रजवासी घी के सैंपल लिए थे। इन सैंपल की जांच चलित मोबाइल लैब में की गई थी। प्रारंभिक जांच के दौरान सैंपल संदिग्ध पाए गए थे। इसके बाद विभाग ने संबंधित फर्म के स्टॉक पर नजर रखी और शनिवार को दोबारा कार्रवाई करते हुए 153 लीटर घी जब्त कर लिया। अब विस्तृत जांच के लिए सैंपल प्रयोगशाला भेजे गए हैं।

रिपोर्ट आने के बाद होगी आगे की कार्रवाई

फूड सेफ्टी विभाग के अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल घी में मिलावट की आशंका के आधार पर स्टॉक जब्त किया गया है। प्रयोगशाला से जांच रिपोर्ट आने के बाद ही खाद्य पदार्थ की गुणवत्ता और मानकों के संबंध में स्थिति स्पष्ट होगी। यदि जांच रिपोर्ट में घी अमानक या मिलावटी पाया जाता है तो संबंधित फर्म और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा कानून के तहत आगे की कार्रवाई की जा सकती है।

153 लीटर घी जब्त, जांच रिपोर्ट का इंतजार

फिलहाल विभाग ने 153 लीटर ब्रजवासी घी जब्त कर लिया है और सैंपल जांच के लिए लैब भेजे हैं। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही यह तय होगा कि घी वास्तव में मिलावटी है या गुणवत्ता संबंधी अन्य मानकों पर खरा नहीं उतरता। फूड सेफ्टी विभाग की इस कार्रवाई के बाद खंडवा और आसपास के क्षेत्रों में ब्रजवासी घी की सप्लाई को लेकर भी निगरानी बढ़ने की संभावना है।

विभाग अब घी की गुणवत्ता और इसमें किसी तरह की मिलावट है या नहीं, इसकी जांच रिपोर्ट का इंतजार कर रहा है।

पचमढ़ी के पगारा गांव में आबकारी का एक्शन, नागद्वारी मेले में खपाने से पहले एक लाख की अवैध देसी-अंग्रेजी शराब जब्त

पिपरिया (नर्मदापुरम)मीडिया ऑडीटर, (निप्र)। पिपरिया के करीब पचमढ़ी के पगारा गांव में आबकारी विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में अवैध देसी और अंग्रेजी शराब जब्त की है। यह कार्रवाई नागद्वारी मेले में अवैध शराब बिक्री के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देश पर शनिवार को ग्राम पगारा स्थित एक रिहायशी मकान पर छापा मारा गया। इस दौरान 23 पेटी (208.5 बल्क लीटर) देसी और विदेशी शराब बरामद की गई। आबकारी ने जब्त शराब की कीमत करीब एक लाख रूपये बताई है जब्त की गई शराब में प्लेन शराब की 8 पेटी, लिमोंट बीयर केन की 6 पेटी, एमडी व्हिस्की रम बोतल और पाव की 3 पेटी, ऑफिसर चॉइस पाव की 2 पेटी तथा एक झोले में देशी एवं विदेशी मदिरा के 112 पाव शामिल थे। आरोपी ज्ञानीराम मेहरा पुत्र बुद्ध मेहरा निवासी पगारा के खिलाफ मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1)क और 34(2) के तहत प्रकरण दर्ज कर उसे मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। आबकारी विभाग के अनुसार, जब्त की गई शराब को पचमढ़ी मेले में बेचा जाना संभावित था। यह कार्रवाई जिला आबकारी अधिकारी डॉ. राजीव द्विवेदी के मार्गदर्शन में प्रभारी आबकारी उपनिरीक्षक हितेश विशोरिया, रघुवीर निमोदा और स्टाफ द्वारा की गई। मामले में आगे की विवेचना जारी है ताकि यह पता चल सके कि यह अवैध शराब किसके माध्यम से बेचने रखी गई थी।

रायसेन में तीन दिन से रुक-रुककर बारिश जारी,धान की फसल को लाभ, औसत 518.74 मिमी वर्षा दर्ज

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन जिले में शुक्रवार से रविवार तक रुक-रुककर बारिश जारी है। इस धीमी गति की बारिश से किसानों को बड़ी राहत मिली है, खासकर धान की फसल के लिए यह लाभदायक सिद्ध हो रही है। जिले में 1 जून से 9 अगस्त तक कुल 5,187.4 मिमी बारिश दर्ज की गई है। लगातार हो रही बारिश से खेतों में नमी बढ़ रही है, क्योंकि पानी धीरे-धीरे जमीन में समा रहा है। इससे भूजल स्तर में सुधार की भी उम्मीद है। लंबे समय से बारिश का इंतजार कर रहे किसानों के लिए यह तीन दिवसीय वर्षा फायदेमंद मानी जा रही है। बारिश के कारण वातावरण में भी ठंडक महसूस की जा रही है।

जिले के विभिन्न क्षेत्रों में दर्ज की गई बारिश:

रायसेन में 7.2 मिमी (कुल 396.4 मिमी), गैरतगंज में 14.6 मिमी (कुल 584.6 मिमी), बेगमगंज में 24.9 मिमी (कुल 618.8 मिमी), सिलवानी में 54 मिमी (कुल 428 मिमी), गौहरगंज में 23.6 मिमी (कुल 493.3 मिमी), बरेली में 22.2 मिमी (कुल 427.4 मिमी), उदयपुरा में 143 मिमी (कुल 699 मिमी), बाड़ी में 29.5 मिमी (कुल 469.5 मिमी), सुल्तानपुर में 36.3 मिमी (कुल 533.1 मिमी) और देवरी में 120.3 मिमी (कुल 537.3 मिमी)। उदयपुरा और देवरी में क्रमशः 143 मिमी और 120.3 मिमी बारिश सबसे अधिक दर्ज की गई। इस लगातार बारिश से खेतों में नमी बढ़ने के कारण धान के साथ-साथ अन्य खरीफ फसलों को भी लाभ मिलने की उम्मीद है।

छतरपुर में हाईटेंशन लाइन की चपेट में आया फल विक्रेता, झुलसने से जान गई, जर्जर लाइन में पहले भी लगी थी आग

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिले के चंद्रनगर थाना क्षेत्र में रविवार सुबह एक हाईटेंशन विद्युत लाइन की चपेट में आने से 18 वर्षीय फल विक्रेता की मौत हो गई। यह घटना चंद्रनगर स्टैंड पर सुबह करीब 8 बजे हुई, जब युवक अपनी फल की दुकान खोलने पहुंचा था। फल विक्रेता की पहचान चंद्रनगर निवासी कमलेश रैकवार पिता मिट्ठू रैकवार के रूप में हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कमलेश दुकान खोलने की तैयारी कर रहा था। इसी दौरान दुकान के ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन में अचानक शॉर्ट सर्किट हो गया। करंट लगने से कमलेश गंभीर रूप से झुलस गया। मौके पर मौजूद परिजन और राहगीर उसे तुरंत चंद्रनगर उप स्वास्थ्य केंद्र ले गए। उप स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक इलाज के बाद, डॉक्टरों ने कमलेश की गंभीर हालत को देखते हुए उसे जिला अस्पताल छतरपुर रेफर कर दिया। हालांकि, जिला अस्पताल में इलाज के दौरान डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

कंपनी पर गंभीर लापरवाही का आरोप: कमलेश के भाई नरेंद्र रैकवार और महेंद्र रैकवार ने विद्युत कंपनी पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि दुकान के ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन लंबे समय से जर्जर हालत में थी। परिजनों ने बताया कि पहले भी इसी लाइन में शॉर्ट सर्किट के कारण दुकान में भीषण आग लग चुकी थी, जिससे काफी नुकसान हुआ था। उन्होंने आरोप लगाया कि आग लगने की घटना के बाद विद्युत कंपनी के अधिकारियों से लाइन को हटाने या सुरक्षित करने की मांग की गई थी, लेकिन शिकायत के बावजूद लाइन को दुरुस्त नहीं किया गया।

'यह पदक मेरे लिए बहुत मायने रखता है,'

एरोबिक जिम्नास्टिक में पहला एशियन स्वर्ण जीतने के बाद बोलीं अरिहा

मनीला ,एजेसीं। इंडियन एरोबिक जिम्नास्ट अरिहा पंगमबम ने कहा कि एशियन एरोबिक जिम्नास्टिक चैंपियनशिप में उनका ऐतिहासिक स्वर्ण पदक पिछले संस्करण में पदक से चूकने के बाद खुद में सुधार करने के पक्के इरादे का नतीजा था। अरिहा ने कहा कि उन्होंने प्रतियोगिता की तैयारी के लिए हर दिन लगभग छह घंटे ट्रेनिंग की। अरिहा ने एशियन चैंपियनशिप में सीनियर महिला व्यक्तिगत श्रेणी में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय बनकर इतिहास रच दिया। उन्होंने फिलीपींस में हुए फाइनल में 19.100 पॉइंट्स स्कोर किया, जिसमें आर्टिस्ट्री में 8.650, एग्जीक्यूशन में 7.600 और डिफिकल्टी में 2.850 पॉइंट्स शामिल थे। अरिहा ने आईएएनएस को बताया, 'उस पल मैं पूरी तरह से अभिभूत थी। यह पदक मेरे लिए बहुत मायने रखता है क्योंकि मैं सच में सिर्फ अपने लिए नहीं बल्कि देश के लिए पदक जीतना चाहती थी।' उन्होंने कहा, 'पिछली एशियन चैंपियनशिप में, मैं कुछ ही पॉइंट्स से चौथे स्थान पर थी। मुझे बहुत पछतावा हुआ। इसलिए, मैंने हमेशा सोचा कि अगली बार मुझे पदक जीतना है। पदक जीतने के बजाय, एक परफॉर्मर होने के नाते मैं हमेशा चाहती थी कि लोग, चाहे जज हों या ऑडियंस, मेरे प्रदर्शन से समझें कि मैं क्या कहना चाहती हूं। मैंने इसे स्टेज पर लाने की कोशिश की, और इसी तरह मुझे पदक मिला।' अपने प्रशिक्षण के बारे में 19 साल की अरिहा ने कहा, 'मैं रोज सुबह और शाम के सेशन में लगभग छह घंटे ट्रेनिंग करती हूं। और सिर्फ इतना ही नहीं, मैं कहूंगी कि यह मेरे कोच और मेरे माता-पिता की वजह से भी है, क्योंकि उनके बिना मैं इतना कुछ हासिल नहीं कर पाती।' उनके स्वर्ण पदक से इंडियन एरोबिक जिम्नास्टिक के लिए एक अहम पल दिखाया, जिसमें देश ने कॉन्टिनेंटल कॉम्पिटिशन के 10 संस्करण के बाद इस खेल में अपना पहला एशियन चैंपियनशिप स्वर्ण जीता। 50 एथलीटों वाले भारतीय प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख इंदरजीत सिंह राठौर ने अरिहा की उपलब्धि को भारत के लिए बड़ी कामयाबी बनाया। आईएएनएस से बात करते हुए राठौर ने कहा, 'यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि है क्योंकि यह 10वीं एशियन चैंपियनशिप है। जिम्नास्टिक में ऐसा कभी नहीं हुआ कि हमारा नेशनल एंथम बजाया गया हो। हमें स्वर्ण पदक मिला है। यह हमारे लिए एक बहुत बड़ी उपलब्धि थी।' उन्होंने कहा, 'यह ऐतिहासिक कामयाबी एरोबिक जिम्नास्टिक के बारे में जागरूकता और इस खेल में सहभागिता बढ़ाने में भी मदद कर सकती है। दूसरे खेल के मुकाबले भारत में इस खेल को बहुत कम जाना जाता है। अब हम देखेंगे कि जिम्नास्टिक में बहुत सुधार होंगे। यह इतना जाना-माना खेल नहीं है, लेकिन जब हमें ऐसा कुछ, एक स्वर्ण और बड़ी उपलब्धियां मिलती हैं, तो अलग-अलग बच्चे और अलग-अलग माता-पिता हमेशा उस खेल को अपनाने में दिलचस्पी रखते हैं। इसलिए, हमें इसके लिए एक शानदार भविष्य दिखता है।' राठौर ने अरिहा के बारे में कहा, 'हम पिछले 10 सालों से इस पर काम कर रहे हैं। वह बहुत कम उम्र से खेल रही है। अब सीनियर स्तर पर आ गई है। उसका प्रदर्शन शानदार था और इसी वजह से उसने स्वर्ण जीता।' चैंपियनशिप में भारत के अभियान में सीनियर एयरो स्टेप कैटेगरी में एक कांस्य पदक भी शामिल था।

दीपा कर्माकर- प्रोडुनोवा वॉल्ट की महारथी और ओलंपिक फाइनल में पहुंची देश की पहली जिम्नास्ट

कर्माकर का नाम प्रतिष्ठा के साथ लिया जाता है। दीपा दुनिया की पांच महिलाओं में से एक हैं जिन्होंने प्रोडुनोवा वॉल्ट में महारत हासिल की है। दीपा ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाली देश की पहली जिम्नास्ट हैं। कलात्मक जिम्नास्ट के लिए मशहूर दीपा कर्माकर का जन्म 9 अगस्त 1993 को अगरतला, त्रिपुरा में हुआ था। उन्होंने सिर्फ 6 साल की उम्र में जिम्नास्टिक का अभ्यास शुरू कर दिया था। उन्हें सोमा नंदी और बिश्वेश्वर नंदी ने कोचिंग दी है। जब उन्होंने जिम्नास्टिक शुरू किया, तो कर्माकर के पैर चपटे थे, जो एक जिम्नास्ट में एक अनचाही शारीरिक खासियत है क्योंकि यह उनके प्रदर्शन को प्रभावित करता है। बहुत ज्यादा ट्रेनिंग से, वह अपने पैर में आर्च बना पाई। 2008 में, उन्होंने जलपाईगुड़ी में जूनियर नेशनल्स जीता था। इस सफलता ने जिम्नास्टिक की दुनिया में उन्हें शुरुआती पहचान दी। दीपा कर्माकर ने पहली बार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स 2014 में सबका ध्यान खींचा था। दीपा ने कांस्य पदक जीता था और ऐसा करने वाली पहली भारतीय महिला जिम्नास्ट बनीं। इसके बाद उन्होंने एशियन चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता और 2015 वर्ल्ड चैंपियनशिप में पांचवां स्थान हासिल किया। ऐसा करने वाली पहली भारतीय एथलीट थीं। कर्माकर की जिंदगी का सबसे बड़ा पल तब आया, जब उन्होंने 2016 में रियो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया। वह ओलंपिक में क्वालीफाई करने वाली पहली महिला जिम्नास्ट और फाइनल में क्वालीफाई करने वाली पहली भारतीय जिम्नास्ट थीं। वह रियो में 0.15 अंकों से पदक जीतने से चूक गई और चौथे स्थान पर रहीं। वह 52 साल पहले, 1964 समर ओलंपिक्स के बाद से, ओलंपिक में हिस्सा लेने वाली किसी भी डिसिप्लिन में पहली भारतीय जिम्नास्ट थीं।

भारत ने वॉर्मअप मैच में 6 विकेट खोकर 357 रनों पर घोषित की पहली पारी

पडिक्कल ने जड़ा शतक

कोलंबो ,एजेसीं। भारत और श्रीलंका क्रिकेट इलेवन के बीच तीन दिवसीय वॉर्मअप मुकाबला नोंडेस्क्रिप्ट्स क्रिकेट क्लब मैदान में खेला जा रहा है। भारतीय टीम ने अपनी पारी 6 विकेट खोकर 357 रन बनाने के बाद घोषित की। भारतीय टीम वॉर्मअप मैच के तीसरे दिन बल्लेबाजी करने नहीं उतरी और टीम ने दूसरे दिन के स्कोर पर ही पारी को घोषित करने का फैसला किया। भारतीय टीम की ओर से देवदत्त पडिक्कल ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए नाबाद शतकीय पारी खेली। नंबर तीन पर बल्लेबाजी करने उतरे पडिक्कल ने 164 गेंदों का सामना करते हुए नाबाद 142 रन बनाए। अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने 18 चौके लगाए। वहीं, रवींद्र जडेजा ने भी अर्धशतकीय पारी खेली। जडेजा 63 रन बनाकर रिटायर हर्ट हुए। हालांकि, केएल राहुल अच्छी शुरुआत का फायदा उठाने में नाकाम रहे और वह 67 गेंदों में 40 रन बनाकर आउट हुए। मानव सुथार ने 90 गेंदों का सामना करते हुए 41 रन बनाए। वहीं, गुरनूर बरार ने बढ़िया बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 18 गेंदों में 2 चौके और 4 छक्कों की मदद से नाबाद 36 रन बनाए। वॉर्मअप मैच में ऋषभ पंत और यशस्वी जायसवाल का बल्ला पूरी तरह से खामोश रहा। यशस्वी बिना खाता खोले पवेलियन लौटे, तो पंत महज 2 रन ही बना सके। ध्रुव जुरेल एक रन बनाकर रमेश मेंडिस का शिकार बने। श्रीलंका क्रिकेट इलेवन की ओर से असंका मनोज और रमेश मेंडिस ने दो-दो विकेट चटकाए। भारत की ओर से नियमित कप्तान शुभमन गिल बल्लेबाजी करने नहीं उतरे। गिल को प्रैक्टिस के दौरान उंगली में चोट लग गई थी, जिसके कारण वह वॉर्मअप मैच के पहले दिन फील्डिंग करने भी नहीं आए थे और कप्तान की जिम्मेदारी केएल राहुल ने संभाली थी। इससे पहले श्रीलंका क्रिकेट इलेवन ने अपनी पहली पारी 8 विकेट खोकर 363 रन बनाने के बाद घोषित की थी। टीम की ओर से रविंदु रसंता ने सर्वाधिक 71 रनों की दमदार पारी खेली, जबकि निशान मदुश्का ने 66 रन बनाए। वहीं, कप्तान सोनल दिनुशा ने 52 रनों का योगदान दिया। भारत की ओर से गेंदबाजी में कुलदीप यादव, रवींद्र जडेजा और मानव सुथार ने दो-दो विकेट चटकाए थे।

अलेक्जेंड्रोवा ने सबालेंका को हराकर बनाई फाइनल में जगह

टोरंटो ,एजेसीं। कनाडा ओपन से बाहर होने वाली शीर्ष 5 खिलाड़ियों में बेलारूस की टेनिस प्लेयर आर्यना सबालेंका का नाम भी जुड़ गया है। 19वीं रैंकिंग वाली रूस की एकातेरिना अलेक्जेंड्रोवा ने दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी को 7-6 (3), 4-6, 6-4 से हराया। यह मुकाबला दो घंटे 29 मिनट तक चला। इस जीत के साथ ही अलेक्जेंड्रोवा ने क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। दोनों खिलाड़ियों के बीच अंतिम 16 के मुकाबले में कड़ी टक्कर देखने को मिली। यह अलेक्जेंड्रोवा की दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी के खिलाफ तीसरी जीत थी। इससे पहले उन्होंने इगा स्वियातेक (मियामी 2024) और सबालेंका (दोहा 2025) को हराया था। यह उनका छठा डब्ल्यूटीए 1000 क्वार्टर फाइनल है और दोहा 2025 के बाद पहला मौका है जब वह इस स्टेज तक पहुंचने में सफल रही हैं। दोनों खिलाड़ियों ने एक-दूसरे की सर्विस तीन-तीन बार तोड़ी, जिसके बाद अलेक्जेंड्रोवा ने टाई-ब्रेकर में पहला सेट जीता।

सबालेंका ने सेट में मिले एकमात्र ब्रेक प्वाइंट को भुनाकर दूसरा सेट अपने नाम किया और मुकाबला बराबरी पर ला दिया। तीसरा सेट भी पहले सेट जैसा ही रहा, जिसमें दोनों खिलाड़ियों ने कड़े मुकाबले के दौरान कई बार एक-दूसरे की सर्विस तोड़ी। अलेक्जेंड्रोवा ने चार बार की ग्रैंड स्लैम विजेता को हार की कगार पर पहुंचा दिया और सबालेंका को टूर्नामेंट में बने रहने के लिए 5-4 के स्कोर पर सर्विस करनी पड़ी। उन्होंने दो ब्रेक और मैच प्वाइंट तो बचाए, लेकिन तीसरे प्वाइंट पर हार गईं और सेट व मैच 7-6(3), 4-6, 6-4 से गंवा दिया। दूसरी ओर, एलिना स्वितोलिना ने अमांडा अनिसिमोवा के खिलाफ 6-2, 6-4 से आसान जीत हासिल की और क्वार्टर फाइनल का टिकट हासिल किया। इससे पहले, शनिवार को बड़ा उलटफेर देखने को मिला था जब दो बार की एनबीओ चैंपियन जेसिका पेगुला को 15वें नंबर की खिलाड़ी डायना श्नाइडर ने सीधे सेटों में 6-3, 6-3 से हरा दिया था। वहीं, इगा स्वियातेक शुरुआती झटके से उबरते हुए वापसी करने में सफल रहीं और मार्टा कोस्त्युक को 3-6, 6-1, 6-2 से हराया। छह बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन पहले सेट में अपनी सर्विस बचाने में नाकाम रहीं, क्योंकि कोस्त्युक ने उनके सभी चार सर्विस गेम में उनकी सर्विस तोड़ी। स्वियातेक ने दूसरे और तीसरे सेट में वापसी की और मैच को अपने नाम कर लिया।

भारतीय टीम के लिए आई राहत भरी खबर

शुभमन गिल ने शुरू की बैटिंग प्रैक्टिस

नई दिल्ली ,एजेसीं। श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के आगाज से पहले भारतीय टीम के लिए राहत भरी खबर आई है। टीम के नियमित कप्तान शुभमन गिल ने रविवार को फिर से बैटिंग प्रैक्टिस शुरू कर दी है। गिल उंगली की चोट के कारण श्रीलंका क्रिकेट इलेवन के खिलाफ जारी वॉर्मअप मैच में बल्लेबाजी करने नहीं उतरे। गुरुवार को प्रैक्टिस सेशन के दौरान बैटिंग करते समय गिल की दाहिने हाथ की अनामिका (रिंग फिंगर) उंगली में चोट लग गई थी, जिसके बाद वह वॉर्मअप मैच के पहले दिन फील्डिंग करने मैदान पर नहीं उतरे थे। गिल की गैरमौजूदगी में केएल राहुल ने टीम की कमान संभाली थी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक बयान जारी करते हुए बताया था कि उंगली की चोट के कारण एहतियात के तौर पर गिल पहले दिन फील्डिंग करने नहीं उतरेंगे। हालांकि, शुभमन दूसरे दिन बल्लेबाजी करने भी नहीं आए और उनके स्थान पर रवींद्र जडेजा ने नंबर चार पर आकर बल्लेबाजी की। हालांकि, सीरीज के पहले मैच में भारतीय कप्तान की उपलब्धता को लेकर चिंताएं प्रैक्टिस मैच के आखिरी दिन काफी हद तक दूर हो गईं, क्योंकि 26 वर्षीय गिल को साइड नेट्स में लंबे बैटिंग सेशन में पूरी तरह हिस्सा लेते देखा गया। तस्वीरों में गिल बिना किसी परेशानी के तेज गेंदबाजों और स्पिनरों का सामना करते दिखे। 15 अगस्त से गॉल इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले पहले टेस्ट की शुरुआत से पहले गिल का प्रैक्टिस सेशन में लौटना भारतीय टीम के लिए राहत भरी खबर है। कोलंबो में रविवार को वॉर्मआप मैच खत्म होने के बाद भारतीय टीम गॉल के लिए रवाना होगी। सीरीज का दूसरा और आखिरी टेस्ट 23 से 27 अगस्त तक कोलंबो के ऐतिहासिक सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब (एसएससी) ग्राउंड पर खेला जाएगा। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) प्वाइंट्स टेबल में फिलहाल पांचवें स्थान पर मौजूद भारत को फाइनल में पहुंचने की अपनी संभावनाओं को बढ़ाने के लिए श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में दमदार प्रदर्शन करना होगा।

बसंत कुमार ने हाई जंप में सिल्वर मेडल जीतकर रचा इतिहास

शाहनवाज को ब्रॉन्ज

यूजीन ,एजेसीं। बसंत कुमार मेघवाल ने ओरेगन के यूजीन में हो रही अंडर 20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पुरुषों की हाई जंप में सिल्वर मेडल जीतकर इतिहास रच दिया है। उन्होंने 2.21 मीटर की अपनी पर्सनल बेस्ट जंप की बराबरी की। राजस्थान के गंगानगर के रहने वाले 19 साल के बसंत, किसी भी विश्व स्तर इवेंट में हाई जंप में मेडल जीतने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। बसंत ने पहले 2.06 मीटर, फिर 2.12 मीटर और 2.17 मीटर की ऊंचाई पार की। इसके बाद 2.21 मीटर की शानदार जंप ने पोडियम पर उनकी जगह पक्की कर दी। टॉप तीन एथलीटों ने 2.21 मीटर की ऊंचाई पार की, लेकिन 'काउंटबैक' नियम के आधार पर बसंत ने सिल्वर मेडल अपने नाम किया। अल्जीरिया के यूनिस अयाची ने गोल्ड मेडल जीता, जबकि ब्रिटेन के ओटिस पूल ने ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। वहीं, शाहनवाज खान ने पुरुषों की लॉन्ग जंप में 7.84 मीटर की बेस्ट जंप के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता। यह किसी भारतीय पुरुष लॉन्ग जंपर द्वारा जीता गया पहला विश्व स्तरीय मेडल भी है। शुरुआत में पीछे रहने के बाद, शाहनवाज ने तीसरे राउंड में 7.84 मीटर की जबरदस्त जंप लगाई और फिर पांचवें राउंड में 7.83 मीटर की जंप के साथ दुनिया के बेहतरीन एथलीटों के बीच अपनी जगह और पोडियम पर अपना स्थान बनाया। इटली के इनजोली ने 7.97 मीटर की बेस्ट जंप के साथ गोल्ड मेडल जीता, जबकि ऑस्ट्रेलिया के मैकग्रोडर (7.96 मीटर) ने सिल्वर मेडल पर कब्जा जमाया। शुक्रवार को जैवलिन थ्रो में आशीष यादव के सिल्वर मेडल के बाद, यह इस चैंपियनशिप में भारत का तीसरा मेडल है।

वर्ल्ड अर्निस चैंपियनशिप में नाहिद अली ने जीते दो गोल्ड और एक ब्रॉन्ज मेडल

माता-पिता और कोच को दिया सफलता का श्रेय

सांबा ,एजेसीं। जम्मू-कश्मीर के खिलाड़ी नाहिद अली चौधरी ने वर्ल्ड एस्क्रीमा काली आर्निस फेडरेशन (डब्ल्यूईकेएएफ) द्वारा आयोजित वर्ल्ड अर्निस चैंपियनशिप के 18वें संस्करण में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए दो गोल्ड और एक ब्रॉन्ज मेडल पर कब्जा जमाया। नाहिद ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और कोच को दिया है। नाहिद ने 'आईएएनएस' के साथ खास बातचीत करते हुए बताया कि उन्होंने वर्ल्ड अर्निस चैंपियनशिप में कुल तीन इवेंट में हिस्सा लिया, जहां उन्होंने पहले इवेंट में फिलिपींस, अमेरिका और थाईलैंड के खिलाड़ी को मात दी। वहीं, दूसरे इवेंट में भी उन्होंने अपने प्रदर्शन को कुछ इसी अंदाज में दोहराया। नाहिद तीसरे इवेंट में भी अपने दमदार प्रदर्शन को जारी रखने में सफल रहे और उन्होंने दो गोल्ड और एक ब्रॉन्ज अपने नाम किया। नाहिद ने कहा कि वह अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता और कोच अमन वर्मा को देना चाहते हैं, जिनकी वजह से वह इस मुकाम तक पहुंच सके। उन्होंने कहा कि आगे भी वह अपने इसी प्रदर्शन को बरकरार रखकर देश के लिए गोल्ड मेडल जीतने का पूरा प्रयास करेंगे। नाहिद ने युवाओं को संदेश देते हुए उनसे नशे से दूर रहकर खेल के प्रति आकर्षित होने की अपील भी की। नाहिद की मां निशाद बीवी ने बताया कि उन्हें अपने बेटे की सफलता पर गर्व है।

अश्मिता चालिहा ने जीता कोरिया मास्टर्स सुपर 300 का खिताब

फाइनल में कियान शी को हराया

आसन सिटी । भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी अश्मिता चालिहा ने रविवार को बीडब्ल्यूएफ कोरिया मास्टर्स सुपर 300 टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया। उन्होंने महिला सिंगल्स के फाइनल मुकाबले में चीन की हान कियान शी को हराकर अपने करियर का पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब जीता। पहला गेम हारने के बाद, अश्मिता ने शानदार वापसी की और चौथी वरीयता प्राप्त चीनी खिलाड़ी को 53 मिनट में 14-21, 21-14, 21-14 से हराया। पहले गेम में 9-5 की बढ़त गंवाने के बाद, उन्होंने अगले दो गेम में बेहतर सटीकता के साथ खेल पर नियंत्रण बनाया और खिताब अपने नाम किया। दुनिया की 50वें नंबर की भारतीय खिलाड़ी अश्मिता का इस साल का पिछला सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जून में मकाऊ ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचना था, जहां वह साउथ कोरिया की पार्क गा यून से हार गई थीं। सेमीफाइनल मुकाबले में अश्मिता ने अपने ही देश की खिलाड़ी रक्षिता रामराज को हराकर फाइनल का टिकट हासिल किया था।

गुवाहाटी की रहने वाली 26 वर्षीय खिलाड़ी का प्रदर्शन पूरे टूर्नामेंट में शानदार रहा। उन्होंने पहले क्वालीफायर में रिरीना हिरामोतो और फिर किम मिन जी को सीधे गेम में हराया, और क्वार्टर फाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त हिना अकेची को 20-22, 21-15, 21-19 से मात दी। अश्मिता इस साल सुपर 300 खिताब जीतने वाली देविका सिहाग और तन्वी शर्मा के बाद तीसरी भारतीय खिलाड़ी बन गई हैं। कुल मिलाकर, कोरिया मास्टर्स फाइनल में जीत के साथ वह इस साल सिंगल्स बीडब्ल्यूएफ खिताब जीतने वाली चौथी भारतीय महिला बनी हैं; उनसे पहले तन्वी ने ताइपे ओपन, पीवी सिंधु ने जापान ओपन और देविका सिहाग ने थाईलैंड मास्टर्स का खिताब जीता है।

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी अन्य भारतीय खिलाड़ी हैं जिन्होंने इस साल बीडब्ल्यूएफ खिताब जीता है। उन्होंने मई में सिंगापुर बैडमिंटन ओपन में पुरुष डबल्स का खिताब अपने नाम किया था। इस जीत के साथ, अश्मिता पहली बार रैंकिंग में टॉप 40 में जगह बनाएंगी। मई में तीन महीने तक चोट के कारण बाहर रहने के बाद वापसी करते हुए बीडब्ल्यूएफ टूर में उनका प्रदर्शन शानदार रहा है। अनिवार्य ब्रेक के बाद अपने पहले दो टूर्नामेंट - चाइना मास्टर्स और मलेशिया मास्टर्स - में उन्होंने क्वार्टर फाइनल तक का सफर तय किया था।

महतारी वंदन से मिल रहा आर्थिक संबल महिलाएं बोलींकृ हमारे विष्णु भैय्या हर महीने पहुंचा रहे मदद

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से संचालित महतारी वंदन योजना का लाभ प्रदेश की लाखों महिलाओं को लगातार मिल रहा है। योजना के तहत पात्र महिलाओं के बैंक खातों में हर महीने एक हजार रुपये की राशि सीधे अंतरित की जाती है। योजना की 30वीं किस्त भी महिलाओं के खातों में पहुंच चुकी है। नियमित रूप से मिलने वाली यह राशि महिलाओं के लिए घर-परिवार की छोटी-बड़ी जरूरतों को पूरा करने में आर्थिक संबल बन रही है। कोंडागांव जिले के सरगीपाल पारा की महिलाओं के लिए भी महतारी वंदन योजना की राशि रोजमर्रा की जिंदगी में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। अलग-अलग महिलाएं इस राशि का उपयोग अपनी आवश्यकताओं के अनुसार कर रही हैं। किसी के लिए यह राशि घर में उपयोग होने वाली जरूरी वस्तुओं की खरीद में काम आ रही है, तो कोई इससे रसोई गैस भरवा रही है। वहीं कुछ महिलाएं दवाइयों और घर के छोटे-मोटे खर्चों को पूरा करने के लिए इस राशि का उपयोग कर रही हैं। सरगीपाल पारा निवासी सोमबत्ती बताती हैं कि महतारी वंदन योजना से हर महीने मिलने वाली राशि से वे अपने दैनिक जीवन में उपयोग होने वाली आवश्यक वस्तुएं खरीदती हैं। तेल, साबुन और घर में रोजमर्रा की जरूरत के सामान खरीदने में यह राशि उनके लिए काफी उपयोगी है। उनका कहना है कि हर महीने खाते में राशि आने से छोटी-छोटी जरूरतों के लिए दूसरों पर निर्भरता कम हुई है। इसी तरह झरना कोर्राम इस राशि का उपयोग घरेलू जरूरतों को पूरा करने में करती हैं। विशेष रूप से वे महतारी वंदन योजना की राशि से रसोई गैस भरवाने में मदद लेती हैं। उनके लिए गैस सिलेंडर जैसे जरूरी घरेलू खर्च को पूरा करने में हर महीने मिलने वाली राशि राहत देती है। सिंधु कोर्राम बताती हैं कि योजना से मिलने वाली राशि का उपयोग वे घर के छोटे-मोटे खर्चों में करती हैं। घर में अचानक आने वाली छोटी जरूरतों को पूरा करने में यह राशि उनके लिए आर्थिक सहारा बनती है। नियमित सहायता मिलने से घरेलू बजट को संभालने में भी सुविधा होती है। वहीं शारदा कोर्राम के लिए महतारी वंदन योजना की राशि स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को पूरा करने में मददगार है। वे इस राशि का उपयोग अपनी दवाइयों की खरीद में करती हैं। उनके लिए हर महीने मिलने वाली आर्थिक सहायता जरूरी दवाइयों का खर्च निकालने में राहत देती है। महतारी वंदन योजना की राशि भले ही रोजमर्रा के अलग-अलग खर्चों में उपयोग हो रही हो, लेकिन इसका प्रभाव उनके जीवन में प्रत्यक्ष दिखाई देता है। नियमित रूप से बैंक खाते में सीधे राशि मिलने से महिलाएं अपनी जरूरत के अनुसार इसका उपयोग करने में सक्षम हो रही हैं। महिलाओं ने मुख्यमंत्री का आभार प्रकट करते हुए कहा कि हमारे विष्णु भैय्या द्वारा शुरू की गई यह योजना उनके लिए आर्थिक सहारे का माध्यम बनी है। उन्हें अपनी छोटी-छोटी जरूरतों के लिए किसी के सामने हाथ फैलाने की आवश्यकता कम हुई है। महतारी वंदन योजना उनके लिए केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि उनके सम्मान और आत्मनिर्भर बनने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने अन्नपूर्ति ग्रेन एटीएम का किया शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने आज बिलासपुर के सरकंडा में अन्नपूर्ति ग्रेन एटीएम का शुभारंभ किया। खाद्य मंत्री श्री दयालदास बघेल वर्चुअल माध्यम से शुभारंभ कार्यक्रम से जुड़े। संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम (WFP) के सहयोग से राज्य शासन के खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा इसकी स्थापना की गई है। इसकी शुरुआत सार्वजनिक वितरण प्रणाली को अधिक पारदर्शी, आधुनिक एवं हितग्राही-केंद्रित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। इस अवसर पर विधायक श्री सुशांत शुक्ला, महापौर श्रीमती पूजा विधानी और जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी भी मौजूद थे। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने इस अभिनव पहल को आम जनता को समर्पित करते हुए इसे सार्वजनिक वितरण प्रणाली में तकनीकी नवाचार, पारदर्शिता एवं सुगम सेवा वितरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में राशन कार्डधारी हितग्राही, जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी एवं गणमान्य नागरिक भी उपस्थित थे। शुभारंभ के दौरान अन्नपूर्ति ग्रेन एटीएम के प्रति लोगों में विशेष उत्साह एवं जिज्ञासा देखने को मिली। मशीन के माध्यम से खाद्यान्न वितरण की प्रक्रिया का प्रत्यक्ष प्रदर्शन किया गया, जिसे देखकर उपस्थित नागरिकों ने इस आधुनिक व्यवस्था की सराहना की।

अन्नपूर्ति ग्रेन एटीएम की कार्यप्रणाली: अन्नपूर्ति ग्रेन एटीएम के माध्यम से राशन प्राप्त करने की प्रक्रिया अत्यंत सरल, सुरक्षित एवं पारदर्शी है। हितग्राही मशीन के समक्ष निर्धारित स्थान पर खड़ा होकर आधार आधारित बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण (फिंगरप्रिंट) करता है। इसके पश्चात स्क्रीन पर उपलब्ध राशन एवं उसकी मात्रा प्रदर्शित होती है, जिसकी पुष्टि हितग्राही द्वारा की जाती है। हितग्राही अपने खाली बैग अथवा थैले को डिस्पेंसर के नीचे रखकर डिस्पेंस बटन दबाता है। कुछ ही सेकंड में निर्धारित मात्रा का खाद्यान्न स्वतः मशीन से निकलकर बैग में भर जाता है। इसके बाद हितग्राही राशन प्राप्त कर स्क्रीन पर प्रदर्शित संदेश की पुष्टि करता है। यह प्रणाली राशन वितरण में मानवीय त्रुटियों को कम करने, समय की बचत करने तथा हितग्राहियों को त्वरित, सटीक एवं पारदर्शी सेवा उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

जनता में उत्साह का माहौल: अन्नपूर्ति ग्रेन एटीएम के शुभारंभ से आम जनता एवं राशन कार्डधारी हितग्राहियों में विशेष उत्साह का माहौल देखने को मिला। हितग्राहियों ने मशीन की सरल कार्यप्रणाली, सटीक तौल एवं त्वरित वितरण व्यवस्था की प्रशंसा करते हुए इसे सार्वजनिक वितरण प्रणाली में एक सकारात्मक परिवर्तन बताया। नागरिकों ने विश्वास व्यक्त किया कि इस तकनीक आधारित व्यवस्था से राशन वितरण अधिक पारदर्शी एवं सुविधाजनक बनेगा। अन्नपूर्ति ग्रेन एटीएम के प्रारंभ होने से सार्वजनिक वितरण प्रणाली में तकनीक आधारित सुधारों को नई गति मिलेगी तथा हितग्राहियों को अधिक सुविधाजनक, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी। यह पहल छत्तीसगढ़ शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी रूप से पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। अन्नपूर्ति ग्रेन एटीएम के शुभारंभ कार्यक्रम में कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल, पुलिस अधीक्षक श्री रजनेश सिंह, निगम आयुक्त श्री प्रकाश सर्वे, जिला पंचायत सीईओ श्री संदीप अग्रवाल, खाद्य नियंत्रक श्री अमृत कुजूर, नान जिला प्रबंधक श्री नितिन दीवान, विश्व खाद्य कार्यक्रम की सुश्री नताशा कुमारी पनवार सहित जनप्रतिनिधि और खाद्य विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

स्टूडेंट इंडक्शन प्रोग्राम में बोले तकनीकी शिक्षा मंत्री पॉलिटेक्निक संस्थानों में शुरू होंगे AI पाठ्यक्रम

कौशल विकास और नवाचार पर जोर

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। शासकीय कन्या पॉलिटेक्निक एवं शासकीय सह-शिक्षा पॉलिटेक्निक, रायपुर के संयुक्त तत्वावधान में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (AICTE) के दिशा-निर्देशानुसार आयोजित स्टूडेंट इंडक्शन प्रोग्राम में मुख्य अतिथि के रूप में तकनीकी शिक्षा मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने पढ़ाई के साथ-साथ कौशल विकास, नवाचार, उद्यमिता और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) जैसी आधुनिक तकनीकों को अपनाने पर विशेष बल दिया।

AI पाठ्यक्रमों की शुरुआत: तकनीकी शिक्षा मंत्री ने घोषणा की कि राज्य शासन आगामी शैक्षणिक सत्र से पॉलिटेक्निक संस्थानों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI)से संबंधित पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए प्रयासरत है। मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब ने कहा कि केवल किताबी ज्ञान पर्याप्त नहीं है, बल्कि उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुसार व्यावहारिक कौशल और नवाचार ही सफलता का आधार हैं। उन्होंने राज्य शासन द्वारा संचालित आई-हब और नई औद्योगिक नीति का उल्लेख करते हुए युवाओं से स्टार्टअप व स्वरोजगार के अवसरों का अधिकतम लाभ उठाने का आह्वान किया। प्रदेश के पॉलिटेक्निक संस्थानों को आधुनिक सुविधाओं से लैस मॉडल संस्थानों के रूप में विकसित करने की प्रतिबद्धता दोहराई गई। कार्यक्रम का आयोजन 01 अगस्त से 14 अगस्त 2026 तक किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य नए विद्यार्थियों को तकनीकी शिक्षा, संस्थागत संस्कृति, नैतिक मूल्यों और व्यक्तित्व विकास से परिचित कराना है। तकनीकी शिक्षा संचालनालय के अतिरिक्त संचालक डॉ. अमिताभ दुबे ने विद्यार्थियों को निरंतर सीखने और अनुशासन के साथ लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का आयोजन कन्या पॉलिटेक्निक की प्राचार्य डॉ. वर्षा चौरसिया एवं सह-शिक्षा पॉलिटेक्निक के प्राचार्य डॉ. एस.के. सिंह के मार्गदर्शन में हुआ।

राखी के धागों के साथ सीमा पर सैनिकों तक पहुंचेंगी कवर्धा की बहनों की शुभकामनाएं

● ऑपरेशन रक्षा सूत्र में गूंजा जय जवान का जयघोष

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सरहद पर खड़े जवानों की कलाई भले ही इस रक्षाबंधन पर अपने घर की राखी से दूर रहे, लेकिन कवर्धा की बहनों का स्नेह उन तक जरूर पहुंचेगा। रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा भारत माता चौक में आयोजित 'ऑपरेशन रक्षा सूत्र' कार्यक्रम में कवर्धा जिले की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सुपरवाइजरों ने अपने हाथों से तैयार राखियां देश की सीमाओं पर तैनात सैनिक भाइयों के लिए समर्पित कीं। कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद कवर्धा के अध्यक्ष श्री चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी, कवर्धा की माताएं बहने, सेना के जवान, कस्तूरबा गांधी विद्यालय की बालिकाएं, सखी सेंटर के स्टाफ, जिला महिला सशक्तिकरण के अधिकारी-कर्मचारी तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी, परियोजना अधिकारी, सुपरवाइजर, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिकाएं एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत सेना के जवानों द्वारा भारत माता की आरती के साथ हुई। इसके बाद उपस्थित महिलाओं और बालिकाओं ने सैनिक भाइयों को राखियां बांधकर उनके प्रति सम्मान व्यक्त किया। 'जय जवान' के नारों से पूरा परिसर राष्ट्रभक्ति के भाव से गूंज उठा। खास बात यह रही कि जिले भर की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सुपरवाइजरों द्वारा तैयार की गई राखियों को एकत्र कर भारतीय सेना तक पहुंचाने की व्यवस्था की गई है। इन राखियों के साथ कवर्धा की बहनों की शुभकामनाएं और देश की रक्षा में जुटे जवानों के प्रति कृतज्ञता भी सीमा तक पहुंचेगी। जिला कार्यक्रम अधिकारी ने कहा कि राखी केवल एक धागा नहीं है।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने किया पौधारोपण, बोले हरियाली बढ़ेगी तो पर्यावरण भी स्वस्थ और सुंदर बनेगा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने आज बिलासपुर के अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय में भारत स्काउट्स एवं गाइड्स जिला संघ द्वारा आयोजित वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम में अमरूद का पौधा रोपित किया। इस अवसर पर उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने का आह्वान किया।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि वृक्ष हमारे पर्यावरण की अनमोल धरोहर हैं। पौधारोपण के साथ-साथ लगाए गए पौधों की देखभाल और उनका संरक्षण भी हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक पौधे लगाकर हम आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, स्वस्थ और सुंदर पर्यावरण तैयार कर सकते हैं। हरियाली बढ़ेगी, तो हमारा पर्यावरण भी स्वस्थ और सुंदर बनेगा। उन्होंने भारत स्काउट्स एवं गाइड्स जिला संघ द्वारा आयोजित वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विद्यार्थियों और युवाओं की पर्यावरण संरक्षण के कार्यों में भागीदारी से इस अभियान को और व्यापक स्वरूप दिया जा सकता है।

कार्यक्रम में विधायक श्री सुशांत शुक्ला, अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय के कुलपति श्री ललित प्रकाश पटैरिया, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी, कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल सहित भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे।

लोहाखान में विकास कार्यों को मिली नई सौगात, आंगनबाड़ी भवन, मंगल भवन और अतिरिक्त कक्ष का होगा निर्माण

● वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने विभिन्न विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। रायगढ़ जिले के पुसौर विकासखंड अंतर्गत ग्राम लोहाखान में विकास कार्यों को नई गति मिली है। वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक श्री ओपी चौधरी ने आज ग्राम लोहाखान में आंगनबाड़ी भवन, मंगल भवन एवं अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया।

इन विकास कार्यों से ग्रामीणों को सामाजिक, शैक्षणिक एवं सामुदायिक गतिविधियों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इस अवसर पर वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार गांवों के समग्र विकास को प्राथमिकता दे रही है। सरकार का प्रयास है कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी आवश्यक बुनियादी सुविधाओं का विस्तार हो और लोगों को स्थानीय स्तर पर बेहतर अधोसंरचना उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी भवन के निर्माण से गांव के बच्चों एवं महिलाओं को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। वहीं मंगल भवन के निर्माण से ग्रामीणों को सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सार्वजनिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए सुविधाजनक स्थान उपलब्ध होगा। अतिरिक्त कक्ष के निर्माण से संबंधित संस्था की आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद मिलेगी और विद्यार्थियों के लिए अतिरिक्त स्थान उपलब्ध हो सकेगा।

वित्त मंत्री ने कहा कि रायगढ़ विधानसभा क्षेत्र के गांवों में विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जा रहा है। सड़क, नाली, भवन, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़े कार्यों को चरणबद्ध तरीके से स्वीकृति दिलाकर पूरा कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों का उद्देश्य ग्रामीणों के जीवन को सुविधाजनक बनाना और गांवों में अधोसंरचना को मजबूत करना है।

मिनीमाता महतारी जतन योजना से श्रमिक माताओं को मिल रहा आर्थिक संबल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार श्रमिक परिवारों के कल्याण और माताओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। श्रम विभाग द्वारा संचालित मिनीमाता महतारी जतन योजना श्रमिक परिवारों की महिलाओं के लिए आर्थिक सहायता का महत्वपूर्ण माध्यम बनकर सामने आई है।

योजना के तहत मिलने वाली सहायता राशि से माताओं को बच्चों के खान-पान, देखभाल एवं पालन-पोषण से जुड़ी आवश्यकताओं को पूरा करने में सहारा मिल रहा है। सरगुजा जिले के अम्बिकापुर विकासखंड के ग्राम पंचायत भिट्ठिकला के ढोढ़ीपारा निवासी

श्रीमती लीलावती भी इस योजना से लाभान्वित हुई हैं। श्रमिक के रूप में कार्य कर परिवार का भरण-पोषण करने वाली लीलावती के दो बच्चे हैं।

सीमित आय के बीच बच्चों की जरूरतों को पूरा करना उनके लिए चुनौतीपूर्ण था। ऐसे समय में मिनीमाता महतारी जतन योजना के तहत प्राप्त 20 हजार रुपए की आर्थिक सहायता उनके परिवार के लिए महत्वपूर्ण सहारा बनी है। लीलावती ने बताया कि योजना से मिली राशि का उपयोग वह अपने बच्चों के खान-पान, देखभाल और बेहतर पालन-पोषण में करेंगी। उन्होंने कहा कि आर्थिक सहायता मिलने से बच्चों की आवश्यकताओं को पूरा करने में उन्हें काफी राहत मिली है। इससे परिवार पर पड़ने वाला आर्थिक दबाव भी कम हुआ है।

उन्होंने राज्य सरकार की श्रमिक हितैषी योजनाओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जरूरत के समय मिली यह सहायता उनके बच्चों के बेहतर भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण सहयोग है। लीलावती ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार की ऐसी योजनाएं श्रमिक परिवारों को कठिन परिस्थितियों में मजबूती प्रदान कर रही हैं। मिनीमाता महतारी जतन योजना के माध्यम से श्रमिक परिवारों की महिलाओं को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराकर मातृत्व एवं शिशु देखभाल को प्रोत्साहित किया जा रहा है। योजना से मिलने वाली सहायता राशि जरूरतमंद परिवारों के लिए आर्थिक राहत के साथ-साथ बच्चों के बेहतर पालन-पोषण की दिशा में भी उपयोगी साबित हो रही है। राज्य सरकार की यह पहल श्रमिक परिवारों के सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

उद्योग मंत्री ने निगम के 04 वार्डो को दी 60 लाख रू. के विकास कार्यो की सौगात

उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने किया विभिन्न विकास कार्यो का लोकार्पण व भूमिपूजन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रदेश के उद्योग, वाणिज्य, श्रम, सार्वजनिक उपक्रम व आबकारी मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने आज कोरबा जिले के पोड़ीबहार स्थित चन्द्रा समाज भवन में आयोजित भूमिपूजन लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान नगर पालिक निगम कोरबा के 04 वार्डो को 60 लाख रूपये के विकास कार्यो की सौगात दी। उन्होने वार्ड क्र. 32, 36, 37 व 24 में होने वाले व हुये विभिन्न विकास कार्यो का लोकार्पण व भूमिपूजन किया, उन्होंने जिन विकास कार्यो का भूमिपूजन किया गया है, उसका शीघ्र कार्य प्रारंभ करने तथा पूरी गुणवत्ता के साथ कार्य संपादन करते हुये समयसीमा में कार्यो को पूरा करने के निर्देश अधिकारियों को दिये। नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा वार्ड क्र. 32 अंतर्गत पोड़ीबहार में 25 लाख रूपये की लागत से चन्द्रा समाज के सामुदायिक भवन के पास सांस्कृतिक मंच, शेड व अन्य विस्तार कार्य किये गये हैं, जिसका लोकार्पण आज उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन के हाथों किया गया। इसी प्रकार नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा वार्ड क्र. 32 अंतर्गत पोड़ीबहार राठौर मोहल्ला में 05 लाख रूपये की लागत से मंच का निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 36 रिसदी बस्ती कन्हैया कंवर घर के पास 05 लाख रूपये की लागत से आर.सी.सी. छतदार सांस्कृतिक मंच का निर्माण, वार्ड क्र. 24 में शिव मंदिर के पास 05 लाख रूपये की लागत से एस.एस.रेलिंग, सौंदर्यीकरण एवं अन्य विस्तार कार्य, वार्ड क्र. 37 सिंचाई कालोनी रामपुर दुर्गा पण्डाल में 05 लाख रूपये की लागत से शेड निर्माण व अन्य विस्तार कार्य, वार्ड क्र. 36 डिंगापुर हनुमान मंदिर के पास यज्ञ शाला के समीप 07 लाख रूपये की लागत से सार्वजनिक मंच का निर्माण, वार्ड क्र. 36 डिंगापुर तालाब में 03 लाख रूपये की लागत से पचरी का निर्माण तथा वार्ड क्र. 24 जैन मंदिर के पीछे बुधवारी में राईटर पेंटर वेलफेयर एसोसिएशन आफ कोरबा के पास 05 लाख रूपये की लागत से सामुदायिक भवन का अहाता निर्माण कार्य शामिल है। इस अवसर पर उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के दिशा निर्देशन में सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य के साथ कोरबा का भी तेजी से विकास हो रहा है। उन्होने उपस्थित नागरिकों को संबोधित करते हुये कहा कि आप सबके आशीर्वाद से देश एवं प्रदेश में हमारी सरकार बनी तथा मुझे भी आप सबकी सेवा करने का अवसर मिला, जिसके लिये मैं आप सबका हृदय से आभारी हूँ। उन्होने कहा कि अटल जी ने छत्तीसगढ़ का निर्माण किया था, अब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी हमारे छत्तीसगढ़ को सजाने, संवारने का काम कर रहे हैं, उन्होने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद 15 वर्षो तक मुख्यमंत्री रहे डॉ.रमन सिंह ने राज्य को विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ाया तथा देश के अग्रणी राज्यों की कतार में छत्तीसगढ़ को खड़ा करने का कार्य किया, अब प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में पुनः राज्य का तेजी से विकास हो रहा है। मत्री श्री देवांगन ने कहा कि जहाँ तक कोरबा के विकास का प्रश्न है तो विगत ढाई वर्ष में कोरबा निगम क्षेत्र में 1000 करोड़ रूपये के विकास कार्य स्वीकृत हो चुके हैं, जिनमें अनेक कार्य पूर्ण किये गये हैं, अनेक प्रगति पर हैं तथा शेष शीघ्र प्रारंभ होने जा रहे हैं। उन्होने कहा कि कोरबा में 145 करोड़ रूपये से सड़कों का कायाकल्प किया जाना हैं, केवल बरसात खत्म होने का इंतजार है, जैसी ही बरसात खत्म होगी, सड़कों का कार्य तेजी से पूर्ण किया जायेगा। इस अवसर पर कोरबा चन्द्रा समाज के पदाधिकारी श्री लखन चन्द्रा एवं समाज के केन्द्रीय उपाध्यक्ष श्री अश्वनी चन्द्रा ने अपने उद्बोधन में कहा कि विधानसभा चुनाव से पूर्व उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने यह वायदा किया था कि 25 लाख रूपये से हमारे लिये भवन बनाया जायेगा, उन्होने जो वायदा किया था, वह आज पूरा हो चुका है। उन्होने कहा कि उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन का सदैव आशीर्वाद हम लोगों को मिला है, जिसके लिये हम उन्हें धन्यवाद देते हैं। इस अवसर पर वरिष्ठ पार्षद श्री नरेन्द्र देवांगन, एमआईसी सदस्य श्री अजय कुमार चन्द्रा, अजय गोंड़, पार्षद सर्वश्री पंकज देवांगन, मुकुंद सिंह कंवर, प्रताप सिंह कंवर, एल्डरमेन ईश्वर साहू, डॉ.राजेश राठौर, कोरबा चन्द्रा समाज की अध्यक्ष भुनेश्वरी चन्द्रा, जगदीश चन्द्रा, शिव जायसवाल, मिलाप बरेठ, अश्वनी चन्द्रा, सहदेव चन्द्रा सहित जनप्रतिनिधिगण तथा काफी संख्या में समाज के लोग तथा अन्य नागरिकगण उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी
आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा